राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 110 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 07 मार्च 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बहुत डरावना था होटल के पास हो रहे थे धमाके, अबू धाबी से लौटे भारतीयों ने सुनाई आपबीती

नई दिल्ली। इज़राइल और ईरान के बीच जारी सैन्य तनाव के चलते पिछले कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाएं प्रभावित रही हैं। कई उड़ानें रद्द होने से यात्री विभिन्न देशों में फंस गए थे। इसी बीच राहत की खबर सामने आई है। अबू धाबी से उड़ान भरने वाला पहला विमान सुरक्षित रूप से केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, बेंगलुरु में उतर गया, जिससे यात्रियों ने राहत की सांस ली। वापस लौटे एक यात्री ने बताया कि वहां हालात बेहद भयावह थे। फ्लाइट रद्द होने के बाद एयरलाइन ने उन्हें एक होटल में ठहराया था, लेकिन होटल के आसपास लगातार धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। आसमान में मिसाइलों को रोका जा रहा था और चारों ओर दहशत का माहौल था। उन्होंने कहा कि वे बेहद डरे हुए थे, लेकिन भारत लौटकर सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हालांकि क्षेत्र में स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। बड़ी संख्या में भारतीय छात्र ईरान में फंसे हुए हैं।

हनीमून पर पति को मौत के घाट उतारने वाली कातिल पत्नी से नफरत

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर को दहला देने वाले बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब एक बेहद भावुक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। होलिका दहन के पावन मौके पर राजा रघुवंशी के परिवार ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। न्याय की आस में बैठी राजा की मां ने अपनी कातिल बहू सोनम से जुड़ी दर्दनाक यादों को हमेशा के लिए मिटाने का फैसला किया। परिवार ने उस साड़ी को होलिका दहन की धधकती आग के हवाले कर दिया, जिसे पहनकर सोनम ने राजा के साथ शादी के सात फेरे लिए थे। परिवार का कहना है कि यह कदम उस खौफनाक धोखे और दर्दनाक यादों के अंत का सबसे बड़ा प्रतीक है। बेटे को खोने के गम में डूबी राजा की मां उमा रघुवंशी ने अपना दर्द बयां किया। उन्होंने कहा कि होलिका दहन हमेशा से बुराई पर अच्छाई की जीत का सबसे बड़ा पर्व रहा है।

टेक्सास में अंधाधुंध फायरिंग, भारतीय मूल की छात्रा समेत 4 की मौत

नई दिल्ली। टेक्सास की राजधानी ऑस्टिन में रविवार तड़के हुई गोलीबारी में भारतीय मूल की 21 वर्षीय छात्रा सविता शान समेत 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हो गए। अमेरिकी अधिकारियों ने मृतकों में शान की पहचान की पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक 53 वर्षीय हमलावर नडियागा डियाग्ने, जो सेनेगल मूल का अप्रवासी था, ने शहर के एक बीयर गार्डन के बाहर अपनी कार खड़ी की और आंगन में बैठे लोगों पर पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद वह कार से बाहर निकला और राहगीरों पर राइफल से गोलीबारी की।

छत्तीसगढ़ में दर्दनाक बस हादसा

ब्रेक फेल होते ही पलटी यात्री बस, पांच लोगों की मौत...

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। शुक्रवार को करडेगा कुनकुरी मार्ग पर एक यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत राहत कार्य में जुट गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह यात्री बस करडेगा से कुनकुरी की ओर जा रही थी। जैसे ही बस करडेगा चौकी क्षेत्र के गोड़ाअंबा गांव के पास पहुंची, अचानक चालक का नियंत्रण बस पर से हट गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस का ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। नियंत्रण खोने के बाद बस सड़क किनारे बने एक निर्माणाधीन भवन की दीवार से टकरा गई और पलट गई। बस के पलटते ही यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए राहत कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने की कोशिश की और तुरंत पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू किया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर तुरंत एम्बुलेंस सेवा सक्रिय की गई। घटनास्थल पर तीन एम्बुलेंस भेजी गईं, जिनकी मदद से घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया।

घायलों को कुनकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और होलीक्रॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। इस दर्दनाक हादसे में मृतकों में एक छोटा बच्चा भी शामिल बताया जा रहा है, जिससे पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। जशपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी जीएस जात्रा ने शुरुआती जानकारी में तीन मौतों की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। फ्लिहाल प्राथमिकता घायलों के इलाज पर दी जा रही है। हालांकि स्थानीय सूत्रों के मुताबिक इस हादसे में अब तक पांच लोगों की मौत होने की खबर सामने आ रही है। प्रशासन ने इस हादसे की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि बस का ब्रेक फेल हुआ था या हादसे की कोई अन्य वजह थी।

कौशल्या देवी साय पहुंचीं अस्पताल

हादसे की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशल्या देवी साय कुनकुरी अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर इलाज व सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। घायलों का इलाज कुनकुरी, जिला अस्पताल और अन्य अस्पतालों में किया जा रहा है। 13 घायलों का स्थानीय अस्पतालों में उपचार जारी है।

इन लोगों की हुई मौत

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कुनकुरी डॉ. श्रीमती के. कुजूर ने हादसे में 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है। मृतकों में पति-पत्नी और पिता-पुत्र शामिल हैं। महेश राम (45) पिता रथु राम, ग्राम मकरीबंधा, तहसील दुलदुला बिमला (42) पति महेश राम, ग्राम मकरीबंधा, तहसील दुलदुला (पति-पत्नी) संपति देवी (52) पति केशवर राम, जिला सिमडेगा, झारखंड दिगेश्वर (40) पिता दिलभजन, ग्राम ढोढी, तहसील कुरडेग, जिला सिमडेगा, झारखंड घनश्याम (5 माह) पिता दिगेश्वर, ग्राम ढोढी, जिला सिमडेगा (पिता-पुत्र)

बॉबी देओल का मुंबई में बड़ा निवेश

अंधेरी में खरीदी पत्नी संग कमर्शियल प्रॉपर्टी

नई दिल्ली। बॉबी देओल और उनकी पत्नी तान्या देओल ने हाल ही में मुंबई में बड़ी प्रॉपर्टी डील कर सुर्खियां बटोरी हैं। दोनों ने मिलकर शहर में पांच कमर्शियल ऑफिस स्पेस खरीदे हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि जिस बिल्डिंग में यह प्रॉपर्टी खरीदी गई है, उसी परिसर में ऋतिक रोशन के परिवार का भी ऑफिस स्पेस मौजूद है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बॉबी देओल और तान्या देओल की कंपनी ग्रीन स्टोन इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई के

अंधेरी वेस्ट इलाके में पांच कमर्शियल ऑफिस यूनिट्स खरीदी हैं। ये सभी यूनिट्स करीब 3,400 स्क्वायर फीट के क्षेत्र में फैली हुई हैं। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों के अनुसार इस डील की कुल कीमत लगभग 15.05 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

एक यात्री अपनी पत्नी और बेटे के साथ दुबई से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचा।

आंध्र प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर लगाया बैन

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर बैन लगाएगी। साथ ही, उन्होंने कहा कि 13-16 साल के बच्चों को सोशल मीडिया इस्तेमाल करने से रोकने का फैसला आम सहमति बनने के बाद लिया जाएगा। विधानसभा में एप्रोप्रिएशन बिल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने के लिए 90 दिनों के अंदर कदम उठाए जाएंगे। वहीं, 13-16 साल के बच्चों के

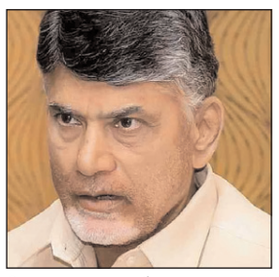

लिए क्या करना है, इस पर चर्चा हो रही है। आम सहमति बनने के बाद फैसला लिया जाएगा। इससे पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी ऐलान किया कि 16 साल से कम उम्र के लोगों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल बैन कर दिया जाएगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान

आज अंधकार की ओर बढ़ रहे राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध

कोल्लम। एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा दौर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे राजनीति हो या अंतरराष्ट्रीय संबंध, एक-दूसरे को समझने का कोई प्रयास नहीं किया जाता और असहमति के मामलों में हिंसा का सहारा लिया जाता है। उन्होंने कहा, आज हम राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देख रहे हैं कि हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है।

दूसरे व्यक्ति को समझने के प्रयास नहीं किया जाता है। बस, बम गिराकर उन्हें मार डाला जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, हमारे यहां की राजनीति में भी यही हाल है। अगर आप किसी से सहमत नहीं होते, तो आप उस पर हमला करते हैं या उसके प्रति हिंसक हो जाते हैं। वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और समाज सुधार संत श्री नारायण गुरु की मुलाकात की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और नारायण गुरु दोनों ही इस तरह की हिंसा के विरोधी थे और जनता के बीच प्रेम, सम्मान, क्षमता और समझदारी की पैरवी करते थे। अपने संबोधन में आगे उन्होंने कहा कि संविधान में भी वे मूल्य समाहित हैं, जिनकी पैरवी नारायण गुरु और महात्मा गांधी ने की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि महात्मा गांधी ने उस समय दुनिया के सबसे ताकतवर साम्राज्य से लड़ाई लड़ी थी और उनके साथ जो कुछ भी किया गया।

खामेनेई की मौत के बाद भारत में हाई अलर्ट, कानून-व्यवस्था के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व के हालात को देखते हुए भारत में हाईअलर्ट जारी किया गया है। गृह मंत्रालय और सुरक्षा एजेंसियों ने सभी राज्यों को संदिग्ध लोगों पर नजर रखने और प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस फोर्स तैनात करने का निर्देश दिया है, जिससे देश में शांति व्यवस्था बनी रहे। अमेरिका-इजरायल के हमले में मारे गए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के समर्थन में देश के विभिन्न राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से देश में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

अनिल अंबानी पर ईडी का बड़ा एक्शन

अंबानी के रिलायंस पावर से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के प्रमुख उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार सुबह रिलायंस पावर और अनिल अंबानी से जुड़े कई कारोबारियों और संस्थाओं के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। सूत्रों के अनुसार, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में लगभग 10 से 12 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ यह कार्रवाई शुरू की गई। इस अभियान को अंजाम देने के लिए ईडी की करीब 15 विशेष टीमों का गठन किया गया था,

जिन्होंने सुबह-सुबह उन लोगों के पंजीकृत कार्यालयों और निजी आवासों पर तलाशी ली, जो इस पावर कंपनी से किसी न किसी रूप में जुड़े हुए हैं। एजेंसी के सूत्रों का कहना है कि यह हालिया छापेमारी रिलायंस पावर से जुड़े संदिग्ध फंड ट्रांसफर और जटिल वित्तीय लेन-देन की गहन जांच का हिस्सा है। हालांकि, शुक्रवार को हुई इस ताजा कार्रवाई को लेकर ईडी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। इससे पहले भी ईडी ने अनिल अंबानी के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई करते हुए एजेंसी ने मुंबई के पाली हिल स्थित उनके आलीशान घर 'अबोड' को अस्थायी रूप से कुर्क किया था। इस संपत्ति की कीमत करीब 3,716.83 करोड़ रुपए बताई गई है।

इस्राइल का दावा

50 लड़ाकू विमानों ने तबाह किया खामेनेई का भूमिगत बंकर

तेल अवीव। एजेंसी

इस्राइली सेना ने दावा किया है कि उसके 50 लड़ाकू विमानों ने तेहरान में उस भूमिगत बंकर पर हमला किया है, जिसे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए बनाया गया था। इस्राइल ने एक बयान में दावा किया कि यह परिसर मध्य तेहरान की सड़कों के नीचे पूरी तरह फैला हुआ था और इसमें बैठक कक्ष भी शामिल थे। बयान में यह भी कहा गया कि खामेनेई की हत्या के बाद भी वरिष्ठ अधिकारी इस सुविधा का इस्तेमाल करते रहे। इसके अलावा, इस्राइली सेना ने ईरान के शहर कोम के एक औद्योगिक इलाके के लोगों को तत्काल वहां से बाहर निकल जाने को कहा है। आईडीएफने अपने फारसी भाषा एक्स खाते पर एक पोस्ट में कोम शोकोहियेह औद्योगिक क्षेत्र का नक्शा साझा किया। नक्शे में एक इलाके को लाल रेखाओं से चिह्नित किया गया है। सेना ने कहा कि वह यहां आने वाले कुछ घंटों में कार्रवाई करेगी। सेना ने लोगों से कहा कि नक्शे में दिखाए गए क्षेत्र को तुरंत खाली कर दें। इस्राइली सेना के मुताबिक, इस इलाके में रुकना लोगों की जान के लिए खतरा बन सकता है। वहीं, इरानी विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइली ने राजधानी तेहरान में एक प्राथमिक विद्यालय को निशाना बनाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हमला तेहरान के निलोफर स्क्वार स्थित प्राथमिक विद्यालय पर हुआ। उन्होंने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें स्कूल की कक्षाओं की

खिड़कियां टूटी हुई दिखाई दे रही हैं और अंदर काफी मलबा फैला हुआ है। हालांकि, उन्होंने इस हमले में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं दी। ईरान की राजधानी तेहरान और अन्य प्रमुख शहरों पर हवाई हमलों की एक नई और भयंकर लहर शुरू हो गई है। तेहरान विश्वविद्यालय के आसपास और आवासीय क्षेत्रों सहित कई स्थानों पर रात भर बड़े विस्फोट हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान के पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में बमबारी पहले के दिनों के मुकाबले कहीं अधिक तीव्र रही है। इसके अलावा, शिराज, इस्फ़हान और मिसाइल ठिकानों वाले करमनशाह में भी भारी विस्फोटों की सूचना मिली है। शिराज के जीबाशहर इलाके में हुए एक बड़े हमले में 20 लोगों की जान चली गई और 30 अन्य घायल हो गए। गठबंधन सेनाओं ने ईरान के शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए युद्ध के एक नए चरण की शुरुआत की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर के अनुसार, बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स ने ईरान के भीतर गहराई में स्थित बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर्स को नष्ट करने के लिए दर्जनों 2,000 पाउंड के पेनिट्रेटर बम गिराए हैं। अमेरिका ने ईरान की 'स्पेस कमांड' के समकक्ष ठिकानों पर भी सटीक हमला किया है ताकि उनकी क्षमता को कमजोर किया जा सके। इसके समानांतर, इजराइल की वायु सेना ने 6 ईरानी मिसाइल लॉन्चर्स और तीन उन्नत रक्षा प्रणालियों को नष्ट करने का दावा किया है।

क्या अमेरिका जमीनी सेना उतारेगा और ईरान की क्या तैयारी है?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सेना भेजने की संभावनाओं को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि यह समय की बर्बादी होगी क्योंकि ईरान अपनी नौसेना सहित सब कुछ खो चुका है। इसके विपरीत, ईरान की सेना ने चेतावनी दी है कि वह आने वाले दिनों में अपने हमलों का और विस्तार करेगी। शीर्ष ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि वे अमेरिकी जमीनी हमले का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इसे वाशिंगटन के लिए एक बड़ी आपदा बताया है। यह युद्ध अब एक बेहद संवेदनशील और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिका और इस्राइल के आक्रामक हवाई हमलों के कारण नागरिक हताहतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

रवि तिवारी बने सारंगढ़ङ्कबिलाईगढ़ भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी

वर्तमान में सारंगढ भाजपा नगर मीडिया प्रभारी के दायित्व की जिम्मेदारी है

सारंगढ़-बिलाईगढ़।टारजन महेश। (समय दर्शन) प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वर्तमान में भाजपा नगर मीडिया प्रभारी रहे रवि तिवारी को सारंगढ़ङ्कबिलाईगढ़ जिले का नया जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है,और साथ ही सह मीडिया प्रभारी के रूप में ओमकार केशरवानी को भी बनाया गया है।प्रदेश के भाजपा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की अनुशंसा पर यह नियुक्ति की गई। रवि तिवारी लंबे समय से संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं और विभिन्न कार्यक्रमों, अभियानों व जनसंपर्क गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है।जिला भाजपा पार्टी नेतृत्व ने उनके अनुभव, समर्पण और संवाद क्षमता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।नियुक्ति के बाद रवि तिवारी ने शीर्ष नेतृत्व तथा जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार प्राथमिकता रहेगा। जिले के पार्टी कार्यकर्ताओं सहित सारंगढ जिले के समस्त पत्रकारों ने भी उनकी नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए रवि तिवारी को बधाई दी है

भोलापुर में अलवा फाउंडेशन के चेयरमैन ने मनाई होली

राजनांदगांव। अलवा फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. हेमशंकर जेठमल साहू ने छुरिया ब्लॉक के भोलापुर में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय लोगों को होली की शुभकामनाएं दी और सभी से सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से होली मनाने की अपील की।
डॉ. साहू ने कहा कि होली प्रेम, भाईचारे और रंगों का त्योहार है। इस अवसर पर हमें दोस्तों, परिवार और बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए और साथ मिलकर खुशियाँ मनानी चाहिए।
उन्होंने लोगों से कुछ खास निर्देश भी दिए, जिसमें सुरक्षित रंगों का इस्तेमाल करें, जो त्वचा और पर्यावरण के लिए हानिकारक न हों। पानी का इस्तेमाल करें, ताकि रंग आसानी से हट सके और त्वचा को नुकसान न पहुँचे। बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके साथ मिलकर होली मनाएं। स्वस्थ रहें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
अलवा फाउंडेशन के अन्य सदस्य भी लोगों को होली की शुभकामनाएं देने के लिए मौजूद रहे।
डॉ. साहू ने कहा, हम सभी को होली सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से मनानी चाहिए और अपने रिश्तों को और मजबूत बनाना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सेलूद में महंत सुकृत दास शास्त्री से मुलाकात किया

पाटन। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गुरुवार को पाटन विकासखंड के ग्राम सेलूद पहुंचे। यहां उन्होंने कबीर आश्रम में संत समाज के प्रमुख महंत सुकृत दास शास्त्री से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान भूपेश बघेल ने महंत सुकृत दास शास्त्री से मिलकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुलाकात के दौरान आश्रम में मौजूद संत समाज और श्रद्धालुओं से भी उन्होंने संक्षिप्त चर्चा की। बताया जा रहा है कि महंत सुकृत दास शास्त्री का स्वास्थ्य पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रहा है। इसकी जानकारी मिलने पर पूर्व मुख्यमंत्री उनसे मिलने सेलूद पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री के आगमन की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और ग्रामीण भी कबीर आश्रम पहुंच गए। इस दौरान सभी ने महंत सुकृत दास शास्त्री के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान जिला पंचायत के पूर्व सभापति जयश्री वर्मा, सरपंच खिलेश बबलू मार्कण्डेय, उपसरपंच राकेश साहू सहित अन्य मौजूद रहें

नॉबार्ड का जागरूकता सम्मेलन, बैंक और फील्ड अधिकारियों ने लिया भाग

राजनांदगांव। नॉबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मनोज कुमार नायक ने 27 फरवरी, 2026 को जनपद पंचायत, मोहला में बैंक शाखा प्रबंधकों और फील्ड अधिकारियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया।

इसमें वाणिज्यिक बैंक, निजी बैंक, सीबारजीबी, डीसीसीबी और लघु वित्त बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और प्रमुख पहलों व सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के एलडीएम केएम सिंह और जनपद पंचायत, मोहला के सीईओ डॉ. प्रांजल प्रजापति ने अपने विचार रखे। उन्होंने सीडी अनुपात में सुधार और सरकार के प्रायोजित कार्यक्रमों के समर्थन के महत्व पर जोर दिया। सीईओ ने प्रतिभागियों से जिले में प्रगति लाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

सम्मेलन में नॉबार्ड की प्रमुख योजनाओं और पहलों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें सूक्ष्म उद्यम विकास (एमईडीपी) छोटे उद्यम और उद्यमिता को बढ़ावा देना, आजीविका एवं उद्यम विकास (एलईडीपी) महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाना, कौशल विकास कार्यक्रम : बेरोजगार युवाओं के कौशल में सुधार, ग्रामीण हाट निर्माण : ग्रामीण बाजारों का विकास, चल गाड़ी और चना दुकान : अभिनव विपणन उपाय, एकीकृत जनजातीय विकास (ट्राईबल्स) जनजातीय समुदाय का समग्र विकास, एकीकृत जलसंभर विकास (एलआरईडीपी) सतत जल संसाधन प्रबंधन, किसान उत्पादक संगठन : किसानों के संगठन को मजबूत बनाना, जलवायु परिवर्तन परियोजनाएं : जलवायु अनुकूलन और स्थिरता बढ़ाना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) किसानों के लिए ऋण तक आसान पहुंच, कृषि अवसंरचना परियोजनाएं : कृषि अवसंरचना का विकास, ऋण गारंटी : वित्तपोषण संस्थानों को ऋण गारंटी प्रदान करना, एमसीएमई क्षेत्र : लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के विकास पर ध्यान शामिल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हितधारकों के बीच सहयोग बढ़ाना, ग्रामीण विकास को गति देना और वित्तीय समावेशन को मजबूत करना बताया गया।

रानीतराई महाविद्यालय का लोकार्पण क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की नई शुरुआत -कीर्ति नायक

रानीतराई/असोगा, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़)। पाटन। ग्राम असोगाङ्करानीतराई की पावन धरती पर स्थित स्व. दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय, रानीतराई के नवीन शैक्षणिक भवन का लोकार्पण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन क्षेत्र के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा के सांसद श्री विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि गांवों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती, आवश्यकता केवल अवसर की होती है। इस महाविद्यालय के माध्यम से क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और वे अपने भविष्य को नई दिशा दे सकेंगे।

इस अवसर पर जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय क्षेत्र के युवाओं के लिए नए सपनों और संभावनाओं का द्वार खोलने वाला है। उन्होंने कहा कि अब हमारे क्षेत्र का कोई भी युवा दूरी या संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों को अधूरा नहीं छोड़ेगा। यहीं से पढ़कर हमारे बेटा-बेटियाँ आगे बढ़ेंगे और प्रदेश ही नहीं बल्कि देश भर में अपने क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि सपने बड़े देखिए और उन्हें पूरा करने के लिए उससे भी बड़ी मेहनत कीजिए, क्योंकि आने वाला समय युवाओं के नेतृत्व का है।

कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती रमशीला साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कौशिक, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कल्पना नारद साहू, जनपद पंचायत पाटन के उपाध्यक्ष श्री कमलेश वर्मा, जनपद सदस्य श्रीमती रश्मि भेद प्रकाश वर्मा, ग्राम पंचायत रानीतराई के सरपंच श्री सत्य नारायण टिंकरिया, ग्राम पंचायत असोगा की सरपंच श्रीमती जानकी चौधरी, मंडल अध्यक्ष श्री कमलेश साहू, श्री कमलेश चंद्राकर, श्री ज्योतिप्रकाश साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। सभी के सहयोग से यह ऐतिहासिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार मिश्रा एवं जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री निर्मल जैन ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

रंगों में सराबोर रहा होली पर महीदही

साजा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला महीदही के प्रांगण में भव्य होली महोत्सव का आयोजन किया गया। अत्यंत गरिमा, अनुशासन एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। स्कूल परिसर गुलाल के रंगों और बच्चों की किलकारियों से सराबोर रहा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को त्यौहारों के सांस्कृतिक महत्व से जोड़ना और आपसी भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करना रहा।

शिक्षकों और छात्रों का अनूठा संगम : कार्यक्रम की शुभारंभ प्रधान पाठक कौशल प्रसाद साहू के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने बच्चों को तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की बधाईयां दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेश्वर श्रीवास,जानकी ठाकुर,हेमलता साहू,गजानन्द वैष्णव,अशोक कुमार धुर्वे उपस्थित रहे। सभी शिक्षकों ने बच्चों के साथ होली खेलकर उनके उत्साह को उमंग से भर दिया। प्रधान पाठक कौशल प्रसाद साहू ने अपने संबोधन में कहा, होली केवल रंगों का त्यौहार नहीं, बल्कि बुराई पर अच्छाई की जीत और आपसी भेदभाव मिटाने का प्रतीक है। विद्यालय में ऐसे आयोजनों से बच्चों में सामाजिक समरसता की भावना विकसित होती है।

सभी बच्चों ने शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं सहपाठियों पर रंग-बिरंगे गुलाल लगाकर होली महोत्सव को धूमधाम से मनाया।

सुकमा के नवोदय विद्यालय के बच्चों ने सैनिकों को भेजा हर्बल गुलाल के संग प्रेम संदेश

सुकमा (समय दर्शन)। होली के पावन अवसर पर पेंटा स्थित पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय सुकमा-1 के विद्यार्थियों ने देश के वीर सैनिकों के प्रति सम्मान और स्नेह प्रकट किया। बैगलेस डे के तहत बच्चों ने स्वयं हर्बल गुलाल तैयार कर सैनिकों और अधिकारियों तक पहुंचाया और उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा व साहस की कामना की।

विद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने प्राकृतिक पुष्पों, औषधीय तत्वों और सुरक्षित सामग्री से पर्यावरण-अनुकूल गुलाल बनाना सीखा। इन रंगों में सिर्फ सुगंध और कोमलता ही नहीं, बल्कि बच्चों के हृदय का स्नेह और राष्ट्रप्रेम भी समाहित था।

हर्बल गुलाल जिलाधीश सुकमा और दोरनापाल क्षेत्र के सीआरपीएफ अधिकारियों व जवानों को प्राचार्य के माध्यम से ससम्मान प्रेषित किया गया। विद्यार्थियों ने संदेश में कहा कि सैनिकों के त्याग और समर्पण के कारण ही हमारा जीवन सुरक्षित और प्रगति की ओर अग्रसर है।

इस अवसर पर सीईओ राकेश चंद्र शुक्ला, सीईओ नीरज सिंह राठौर और डीएसपी दोरनापाल निशांत कुमार पाठक ने बच्चों की पहल की सराहना की।

होली मिलन समारोह में संगीत शिक्षक डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा ने बनारसी फाग खेले मसाने में होरी दिगम्बर प्रस्तुत कर वातावरण को उल्लास और सांस्कृतिक रंग से भर दिया। समारोह में द्वितीय कमान अधिकारी, बटालियन 150 सीआरपीएफ दोरनापाल राजू डी नायक सहित अन्य अधिकारी और जवानों ने प्राचार्य और शिक्षकों का स्वागत और अभिनंदन किया।

प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने बच्चों की सहभागिता और सहयोग के लिए सभी का हृदय से धन्यवाद किया।

यह पहल केवल होली उत्सव तक सीमित नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और सैनिकों के प्रति सम्मान का सशक्त संदेश बन गई। नवोदय परिवार की यह आत्मीयता सैनिकों तक प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक बनकर पहुँची।

थाना बलौदा क्षेत्रांतर्गत आदतन गुंडा बदमाश सांतनु सांडे निवासी बिरगहनी को 01 वर्ष के लिए किया गया जिला बदर की कार्यवाही

आदतन बदमाश के विरुद्ध अलग- अलग धाराओं के तहत् कुल 05 अपराधिक प्रकरण एवं 12 प्रकरणों में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही दर्ज है

जांजगीर //समय दर्शन // बदमाश सांतनु सांडे निवासी बिरगहनी थाना बलौदा* के दुस्साहसी प्रवृत्ती एवं लोगों के साथ मारपीट कर लडाई झगड़ा करने की शिकायत है परन्तु इसके बाद भी अनावेदक के अपराधिक गुण्डागर्दी मारपीट, जान से मारने की धमकी देने में सुधार नही हुआ है, यह इतना दुस्साहसी एवं आक्रमक प्रवृत्ती का है जिससे आम जनता इसके विरूद्ध थाना में रिपोर्ट दर्ज कराने में कतराते हैं, इसके द्वारा अपराधिक कृत्य करने एवं संज्ञेय अपराध घटित करने तथा शांति भंग करने की पूर्ण आशंका होने से पुलिस अधीक्षक जांजगीर- चाम्पा द्वारा बदमाश के विरूद्ध जिला बदर की कार्यवाही हेतु माननीय कलेक्टर महोदय जांजगीर को विस्तृत प्रतिवेदन भेजा गया था। बदमाश की अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु अन्य कोई विकल्प ना होने से इसके अपराधिक कृत्यों पर नियंत्रण रखने एवं क्षेत्र के जन मानस व जान माल की सुरक्षा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु बदमाश के विरूद्ध छ.ग. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 एवं 5 के तहत जिला बदर की कार्यवाही कर तत्काल जिला जांजगीर -चाम्पा व सरहदी जिला सक्ति, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, बलौदा बजार से जिला बदर की कार्यवाही, माननीय जिला दण्डाधिकारी महोदय एवं कलेक्टर जांजगीर -चाम्पा द्वारा आदेश पारित किया जाकर 01 वर्ष के लिए किया गया जिला बदर की कार्यवाहीं।

राज्यपाल रमेन डेका ने किया मुंगेली अचानकमार टाइगर रिजर्व का दौरा

जंगल सफारी का लिया आनंद, जनजातीय कला और प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना, प्राकृतिक वातावरण में वन्य जीव के संरक्षण को किया प्रोत्साहित

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने आज मुंगेली जिले के प्रसिद्ध अचानकमार टाइगर रिजर्व का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जंगल सफारी का आनंद लिया और वनांचल की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की। उन्होंने प्राकृतिक वातावरण में वन्य जीव के संरक्षण को प्रोत्साहित किया।

दौरे के दौरान राज्यपाल ने आदिवासी अंचल की महिलाओं द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों की प्रशंसा की। उन्होंने बैगा और गोंड जनजाति की पारंपरिक ट्राइबल पेंटिंग्स तथा स्थानीय हस्तशिल्प को विशेष रूप से सराहा।

राज्यपाल डेका ने सिहावल क्षेत्र में वन्य प्राणी संरक्षण को और मजबूत करने के लिए आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने जंगली हाथियों के प्रशिक्षण एवं प्रबंधन के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान डी डी एटीआर ने बताया कि यह क्षेत्र हिरण, हाथी, टाइगर सहित कई वन्य प्राणियों के विचरण का प्रमुख क्षेत्र है।गौरतलब है कि मुंगेली जिले का सिहावल क्षेत्र मनियारी नदी का उद्गम स्थल भी माना जाता है।

इस अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार द्वारा राज्यपाल को जनजातीय कला पर आधारित स्मृति चिन्ह एवं प्राकृतिक कोसे से निर्मित शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर फील्ड डायरेक्टर अभिषेक सिंह, एडीसी ओम भविष्यकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, डीडी एटीआर, यू आर गणेशन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रभाकर पांडेय सहित, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण, फूड एवं राजस्व सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैगा-बिरहोर आदिवासियों के गांव पहुंचे राज्यपाल, योजनाओं का जाना हाल

संस्कृति को सहेजने की दी सीख, आर्चरी खिलाड़ियों को 5-5 हजार देने की घोषणा-राज्यपाल रमेन डेका ने अपने बिलासपुर प्रवास के दौरान कोटा विकासखंड के शिवतराई पहुंचकर बैगा और बिरहोर जनजाति के लोगों से आत्मीय चर्चा की। उन्होंने उनकी जीवनशैली, पारंपरिक संस्कृति तथा शासन की योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली। इस अवसर पर राज्यपाल ने आर्चरी के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रत्येक खिलाड़ी को 5-5 हजार रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने खिलाड़ियों को लोकभवन रायपुर आने का निमंत्रण दिया तथा कलेक्टर को उनके आवागमन सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल डेका ने करका की लखपति दीदी श्रीमती प्रमिला बैगा से चर्चा की। उन्होंने बताया कि वे गोंदा स्वसहायता समूह से जुड़ी हैं। समूह की श्रीमती रश्मि मरावी ने बताया कि उनके समूह द्वारा सिलाई-मशीन का काम, अचार-पापड़ निर्माण सहित अन्य आजीविका गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बैगा महिलाओं द्वारा बांस से विभिन्न उपयोगी उत्पाद भी तैयार किए जा रहे हैं। राज्यपाल ने आयुष्मान कार्ड, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन, पीएम जनमन योजना सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी ली। औरापानी की श्रीमती मंगली ने बताया कि उन्हें आवास योजना का लाभ मिला है। शिवतराई की श्रीमती ममता खुसरो ने बताया कि उन्हें आयुष्मान कार्ड के साथ महतारी वंदन योजना का भी लाभ मिल रहा है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड से अपना अल्सर का ऑपरेशन भी कराया है।

राज्यपाल ने कहा कि बैगा और बिरहोर समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराएं उनकी पहचान हैं। उन्होंने लोगों से अपनी संस्कृति को सहेजकर रखने का आग्रह करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए भी अपनी परंपराओं को विलुप्त न होने दें। उन्होंने कहा कि बांस के उत्पाद और पारंपरिक गहने बनाना सिखाने के लिए प्रशिक्षक की भी व्यवस्था की जाएगी। राज्यपाल ने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने पर भी जोर दिया। इस दौरान सरपंच ने बताया कि यहां पीएम जनमन योजना के तहत 265 आवास स्वीकृत हुए हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बताया कि जिले में पीवीटीजी समुदाय के लगभग 6400 लोग 54 बसाहटों में निवासरत हैं। पीएम जनमन योजना के तहत लगभग 900 आवास स्वीकृत किए गए हैं तथा 21 सड़कों का निर्माण किया गया है। टाटीधार में बहुद्देशीय केंद्र बनाया गया है। पीवीटीजी बसाहटों में 3 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण और दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

राज्यपाल ने निर्देश दिए कि पीएम जनमन योजना का अधिक से अधिक लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए तथा नियमित रूप से मेडिकल कैंप लगाए जाएं। उन्होंने टीबी मरीजों के पोषण के लिए उन्हें गोद लेने की पहल को भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यदि किसी को मोतियाबिंद की समस्या है तो वे एम्स आ सकते हैं, वहां उनके ठहरने की व्यवस्था भी की जाएगी। राज्यपाल ने बैगा समाज के लोगों को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं और उन्हें उपहार भी प्रदान किया। इस अवसर पर बैगा समाज के प्रमुख लुमन सिंह बैगा ने पलाश के फूलों की माला पहनाकर राज्यपाल का स्वागत किया तथा बैगा महिलाओं ने खुमरी पहनाकर उनका पारंपरिक स्वागत किया। कार्यक्रम में एसएसपी रजनेश सिंह, सीसीएफ मनोज पांडे, एडीएम शिव कुमार बनर्जी सहित बड़ी संख्या में बैगा आदिवासी समाज के लोग, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

निर्माण के दौरान ही फील्ड में जाकर नियमित निरीक्षण करें अधिकारी, लापरवाही पर कार्रवाई और ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट

सड़क निर्माण में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर। प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ताहीन कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कहीं भी निर्माण कार्य में कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और दोषी ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह निर्देश आज मंत्रालय महानदी भवन में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यों और गतिविधियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण के बाद निरीक्षण करने के बजाय निर्माण के दौरान ही नियमित रूप से फील्ड में जाकर गुणवत्ता की निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण केवल तकनीकी कार्य नहीं बल्कि आमजन की सुविधा से जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक कार्य है और इससे सरकार की छवि भी बनती है। यदि सड़क बनने के कुछ वर्षों के भीतर ही खराब हो जाए तो इससे सरकार की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

बैठक में बागबहार-कोतबा सड़क की खराब स्थिति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह सड़क कुछ वर्ष पहले ही बनी थी, लेकिन उसकी स्थिति तेजी से खराब हो गई है। यदि सड़क चार वर्ष भी नहीं चले तो इसका कोई औचित्य नहीं रह जाता। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस सड़क के निर्माण में हुई कमियों की गंभीरता से जांच की जाए और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो इसके लिए निर्माण के दौरान ही गुणवत्ता की सख्त निगरानी की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर सड़क निर्माण कार्य हो रहे हैं, लेकिन आमजन को इन कार्यों की

जानकारी नहीं मिल पाती जिससे सकारात्मक नैरेटिव नहीं बनता। उन्होंने निर्देश दिए कि बड़ी सड़क परियोजनाओं के शिलान्यास और भूमिपूजन मुख्यमंत्री और मंत्रियों के हाथों से कराए जाएं तथा उन्हें व्यापक रूप से आमजन के सामने प्रस्तुत किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के टेंडर जारी होने से लेकर कार्य आवंटन (अवॉर्ड) तक की पूरी प्रक्रिया के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए। उन्होंने कहा कि कई ठेकेदार बहुत कम दर यानी बिलो रेट पर टेंडर प्राप्त कर लेते हैं, जिसके कारण कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में संबंधित ठेकेदार की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यदि ठेकेदार बिलो रेट पर टेंडर लेता है तो यह उसकी जिम्मेदारी होगी कि वह कार्य को निर्धारित गुणवत्ता और समय-सीमा में पूरा करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियमावली तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में लागू बेहतर व्यवस्थाओं का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ में भी उपयुक्त प्रावधान लागू किए जाएं। साथ ही टेंडर और डीपीआर जैसे तकनीकी कार्यों के लिए एक अलग इकाई बनाने पर भी गंभीरता से विचार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगभग 300 ऐसे गांव चिन्हित किए गए हैं, जहां बरसात के दौरान संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। ऐसे गांवों तक पहुंचने के लिए लोगों को कई बार बीमार मरीजों को खाट में उठाकर ले जाना पड़ता है, जो अत्यंत चिंता का विषय है। खाद्य विभाग से प्राप्त सूची के आधार पर चिन्हित इन गांवों को सड़कों और पुल-पुलियों के माध्यम से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने लैलूंगा-कुंजारा-तोलगेपहाड़-मिलूपारा-तमनार मार्ग के निर्माण की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग की गैलेक्सी एस 26 सीरीज़ से प्राइवेसी और एजेंटिक एआई के नए दौर की शुरुआत : जेबी पार्क

गुरुग्राम। सैमसंग ने अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा पेश किया है। इस स्मार्टफोन में दिया गया नया 'प्राइवेसी डिस्प्ले' फीचर पूरी टेक दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है और इसे हर तरफ से काफी सराहना मिल रही है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा कि यह उद्योग में अपनी तरह का पहला फीचर है, जो स्मार्टफोन इंडस्ट्री में प्राइवेसी के एक नए दौर की शुरुआत करता है। उन्होंने कहा, चूंकि अब हम एआई के दौर में हैं, इसलिए गैलेक्सी एस 26 सीरीज़ में प्राइवेसी को और भी बेहतर बनाया गया है। थर्ड-पार्टी फिल्टर के विपरीत, 'प्राइवेसी डिस्प्ले' सीधे स्क्रीन के अंदर ही शामिल है। इससे रोजमर्रा के इस्तेमाल में स्क्रीन देखने का अनुभव पहले जैसा ही शानदार रहता है, जबकि साइड एंगल से स्क्रीन पर क्या चल रहा है, यह दिखाई नहीं देता। यूजर प्राइवेसी को स्क्रीन के किसी खास हिस्से तक सीमित कर सकते हैं या यह भी तय कर सकते हैं कि यह फीचर कब सक्रिय हो। इससे आपकी प्राइवेसी की सुरक्षा बहुत ही सहज और आसान हो जाती है।

रियलमी सी 83 5जी 13,499 रुपये के शुरुआती मूल्य में लॉन्च हुआ

नई दिल्ली: भारतीय युवाओं के सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज अपनी सी-सीरीज़ में रियलमी सी83 5जी का लॉन्च किया, जो लंबी बैटरी लाईफ, अल्ट्रा-स्मूथ विज़्युअल और भरोसेमंद 5जी परफॉर्मेंस प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यह स्मार्टफोन उन यूज़र्स के लिए है, जो एंड्योरेंस के साथ विश्वसनीयता पसंद करते हैं। इसलिए रियलमी सी83 5जी में सेगमेंट की सबसे शक्तिशाली 7000 एम.एम.एच बैटरी के साथ 144 हर्ट्ज़ का डिस्प्ले दिया गया है, जो 4 साल तक स्मूथ परफॉर्मेंस प्रदान करेगा। लंबे समय तक स्मूथनेस के साथ सेगमेंट की सबसे शक्तिशाली 7000 एम.ए.एच की टाईटन बैटरी रियलमी सी83 5जी में अपने सेगमेंट की सबसे शक्तिशाली 7000 एम.ए.एच की टाईटन बैटरी दी गई है, जो पूरे दिन तक आराम से चलती है। यह 15 वॉट पीडी और 15 वॉट डीसीपी चार्जिंग को सपोर्ट करती है। इसलिए यह 180 मिनट में पूरी चार्ज हो जाती है तथा अन्य डिवाईस को पॉवर प्रदान करने के लिए इसमें 5 वॉट की वायर्ड रिवर्स चार्जिंग भी है।

सैमसंग गैलेक्सी S26 अल्ट्रा को मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2026 में 'बेस्ट इन शो' अवॉर्ड मिला

नईदिल्ली। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज घोषणा की है कि उसके फ्लैगशिप स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी S26 अल्ट्रा को ग्लोबल मोबाइल अवार्ड्स में 'बेस्ट इन शो' के सम्मान से नवाज़ा गया है। यह पुरस्कार बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2026 के दौरान दिया गया। इन पुरस्कारों का आयोजन हर साल ग्लोबल मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन द्वारा किया जाता है, जो मोबाइल उद्योग में बेहतरीन नवाचारों को मान्यता देता है। 'बेस्ट इन शो' श्रेणी उन उपभोक्ता-केंद्रित उत्पादों को सम्मानित करती है जो तकनीक के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करते हैं। इसे उद्योग के सबसे बड़े सम्मानों में से एक माना जाता है। 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों, पत्रकारों और विशेषज्ञों की जूरी द्वारा चुने जाने के कारण इन डिवाइस को डिजिटल जगत का गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है। सैमसंग गैलेक्सी S26 अल्ट्रा: बेस्ट इन शो 4 मार्च को आयोजित पुरस्कार समारोह में, गैलेक्सी S26 अल्ट्रा ने बेस्ट इन शो का खिताब जीता। जूरी के अनुसार, गैलेक्सी S26 अल्ट्रा को यह पुरस्कार उसके उन्नत हार्डवेयर और One UI 8.5 सॉफ्टवेयर के सहज मेल के लिए दिया गया है। इसमें मौजूद गैलेक्सी AI उपयोगकर्ता की जरूरतों को समझते हुए रोज़मर्रा के कामों को आसान बनाता है और साथ ही सुरक्षा व गोपनीयता का भी पूरा ध्यान रखता है। ये खूबियां मिलकर सबसे सहज मोबाइल एआई अनुभव प्रदान करती हैं।

बिहान से सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं, स्व सहायता समूह से जुड़कर बना रहीं अपनी अलग पहचान

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित बिहान कार्यक्रम प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं को स्व सहायता समूहों के माध्यम से संगठित कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि आज ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी बना रही हैं। कोरबा जिले में भी बिहान से अनेक महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही हैं।

इसी कड़ी में कोरबा जिले के विकासखंड करतला के ग्राम सरगबुंदिया की निवासी श्रीमती सावित्री उरांव आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। एक समय ऐसा था जब सीमित आय, आर्थिक असुरक्षा और स्थायी आजीविका के अभाव के कारण उनका जीवन संघर्षों से घिरा हुआ था।

परिवार की जिम्मेदारियों के बीच संसाधनों की कमी के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा था। ऐसे समय में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने उनके भीतर आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की नई आशा जगाई।

बिहान कार्यक्रम के तहत श्रीमती उरांव को समय-समय पर वित्तीय साक्षरता, समूह प्रबंधन, उद्यम विकास और आजीविका संवर्धन से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान किए गए। इन प्रशिक्षणों ने उन्हें केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि आत्मनिर्भर बनने, निर्णय लेने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का आत्मविश्वास भी प्रदान किया।

जिला प्रशासन एवं एनआरएलएम के सहयोग से उनके स्व सहायता समूह को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया, जिसके अंतर्गत समूह को रिवॉल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश निधि तथा बैंक ऋण की सुविधा प्राप्त हुई। इस वित्तीय सहयोग और प्रशिक्षण का लाभ उठाते हुए उन्होंने अपने व्यवसाय का विस्तार किया। वर्तमान में वे कपड़ों के व्यापार सहित का सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। उनके निरंतर परिश्रम, सही मार्गदर्शन और समय पर मिली वित्तीय सहायता का परिणाम है कि आज उनकी वार्षिक आय लगभग 8 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है।

इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण के साथ-साथ सामाजिक सम्मान में भी वृद्धि हुई है।

स्व-सहायता समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं बन रही आत्मनिर्भर

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसका प्रेरणादायक उदाहरण सक्ति जिला के जनपद पंचायत डभरा के ग्राम पंचायत डोमनपुर की सखी सहेली महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती रेवती साहू हैं।

इस समूह की अध्यक्ष श्रीमती खिलेश्वरी बरेठ तथा सचिव श्रीमती रेवती साहू हैं। समूह को एनआरएलएम (बिहान) योजना के अंतर्गत आरएफ राशि 15 हजार रुपये एवं सीआईएफ राशि 60 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई है। इसके साथ ही बैंक लिंकेज के माध्यम से भी ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई। स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले श्रीमती रेवती साहू घरेलू कार्यों तक ही सीमित थीं और उनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था। लेकिन समूह की नियमित बैठकों, प्रशिक्षण और

मार्गदर्शन से उन्हें स्वरोजगार करने की प्रेरणा मिली और उन्होंने घर के कार्यों के साथ आर्थिक गतिविधि शुरू करने का निर्णय लिया।

सबसे पहले श्रीमती रेवती साहू ने सेटरिंग प्लेट व्यवसाय की शुरुआत की। इस कार्य के लिए उन्हें एनआरएलएम (बिहान) योजना के अंतर्गत बैंक लिंकेज के माध्यम से 1 हजार रुपये तथा सीआईएफ से 60 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। वित्तीय वर्ष 2025 में उन्हें बैंक लिंकेज के माध्यम से 10 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ, जिसमें से 4 लाख रुपये से सेटरिंग प्लेट सामग्री क्रय कर व्यवसाय का विस्तार किया गया। इस व्यवसाय से वर्तमान में उन्हें लगभग 3 लाख 60 हजार रुपये की वार्षिक आय प्राप्त हो रही है।

आय के स्रोत को और मजबूत करने के लिए श्रीमती रेवती साहू ने मशरूम उत्पादन का कार्य भी शुरू किया। वर्तमान में वे प्रतिदिन लगभग 10 किलोग्राम मशरूम का उत्पादन कर आसपास के बाजारों में विक्रय करती हैं। इस गतिविधि से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 60 हजार से 70 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। आज श्रीमती रेवती साहू अपनी मेहनत, लगन और एनआरएलएम (बिहान) योजना के सहयोग से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। वे अपने परिवार का सफलतापूर्वक भरण-पोषण कर रही हैं और उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। श्रीमती रेवती साहू की यह सफलता अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

भानपुरी में आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे का अनूठा संगम हेल्थ एटीएम का शुभारंभ

रायपुर। बस्तर के विकास और जन-सुविधाओं की दिशा में शुक्रवार को नई शुरुआत हुई, जहाँ आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे का अनूठा संगम देखने को मिला। क्षेत्र के स्वास्थ्य परिदृश्य को पूरी तरह बदलने के उद्देश्य से बस्तर जिले में हेल्थ एटीएम सेवा का ऐतिहासिक शुभारंभ किया गया है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने भानपुरी स्थित सिविल अस्पताल में इस हाईटेक स्वास्थ्य सुविधा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उन्होंने क्षेत्रवासियों को 36.50 लाख रूपए के निर्माण कार्यों की सौगात देते हुए ग्राम राजपुर और खड़का में विभिन्न परियोजनाओं का भूमिपूजन किया। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि यह हेल्थ एटीएम बस्तर के दूरस्थ अंचलों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है, क्योंकि अब ग्रामीणों को छोटी-बड़ी जांचों के लिए बड़े शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इस अत्याधुनिक मशीन के माध्यम से नागरिक ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी और ऑक्सीजन लेवल सहित 100 से अधिक प्रकार की

स्वास्थ्य जांचें तत्काल करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि सबसे क्रांतिकारी पहलू यह है कि यह मशीन महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की शुरुआती पहचान करने में सक्षम है, जिससे समय रहते उपचार संभव हो सकेगा।

इसके साथ ही, टेलीमेडिसिन सुविधा के जरिए मरीज सीधे विशेषज्ञ डॉक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर परामर्श ले सकेंगे और उनकी पूरी मेडिकल रिपोर्ट मोबाइल ऐप पर डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस डिजिटल क्रांति के साथ-साथ नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास का शंखनाद भी गूँजा। कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देते हुए वनमंत्री श्री कश्यप ने सालेमेटा और राजपुर सरगीगुड़ा में नई सीसी सड़कों की आधारशिला रखी गई।

प्रोटीन आंदोलन को गांव-गांव पहुंचा रहा आईबी ग्रुप

रायपुर। देश की तस्वीर बदल रही है। जो चर्चा कभी महानगरों के सेमिनारों और स्वास्थ्य मंचों तक सीमित थी, वह अब गांव की चौपाल और कस्बों की गलियों तक पहुंच चुकी है। संतुलित आहार, प्रतिरोधक क्षमता और दैनिक प्रोटीन की आवश्यकता अब आम परिवारों की बातचीत का हिस्सा बन रही है। आईबी ग्रुप के प्रबंध निदेशक बहादुर अली ने कहा, हमारा लक्ष्य एक ऐसा प्रोटीन इकोसिस्टम बनाना है, जो
गांव के फार्म को परिवार की थाली से जोड़े और हर घर को सुलभ पोषण उपलब्ध कराए। जब बच्चों को पर्याप्त प्रोटीन मिलेगा, महिलाएं मजबूत होंगी और परिवार स्वस्थ रहेंगे, तभी राष्ट्र सशक्त बनेगा। ग्रामीण उत्पादन केंद्रों से लेकर संगठित शहरी वितरण तक, आईबी ग्रुप का यह मॉडल कृषि, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास को एक साथ आगे बढ़ाने की सोच को साकार करता है। यह एक कॉरपोरेट पहल नहीं, बल्कि भारत को पोषण के मोर्चे पर आत्मनिर्भर बनाने की एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है; एक ऐसा आंदोलन, जो देश की सेहत और भविष्य दोनों को मजबूत कर रहा है, आगे उन्होंने कहा। फिर भी सच्चाई यह है कि आज भी करीब 73 प्रतिशत महिलाएं, पुरुष, बच्चे और युवा प्रोटीन की कमी से जूझ रहे हैं। यही वह अंतर है जिसे पाटने के लिए ज़मीन पर उतरकर काम करने की जरूरत थी। इसी दिशा में आईबी ग्रुप ने 'हर घर हर दिन चिकन प्रोटीन' अभियान की शुरुआत की; एक ऐसा जनआंदोलन, जो जागरूकता के साथ समाधान भी लेकर आया।

अभियान के तहत 2,500 से अधिक तहसीलों में पहुंचकर लोगों को सरल भाषा में समझाया गया कि शरीर की मजबूती, बच्चों की सही वृद्धि और महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रोटीन अनिवार्य है। कंपनी ने यह तथ्य सामने रखा कि 100 ग्राम एबीआईएस चिकन में लगभग 27 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन होता है, एक ऐसा स्रोत जो किफायती भी है और सुलभ भी। आईबी ग्रुप ने खेत से लेकर परिवार की थाली तक एक सशक्त और पारदर्शी तंत्र विकसित किया है। वैज्ञानिक ढंग से तैयार पशु आहार, संगठित किसान साझेदारी, अत्याधुनिक प्रोसेसिंग इकाइयां और मजबूत कोल्ड-चेन नेटवर्क, इन सबके माध्यम से कंपनी ने उत्पादन और उपभोग के बीच भरोसे की मजबूत कड़ी बनाई है। यह मॉडल केवल पोषण सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा दे रहा है। हजारों पोल्ट्री किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, पशु चिकित्सा सहायता और सुनिश्चित खरीद व्यवस्था के जरिए स्थिर आय का अवसर मिला है। कई गांवों में यह पहल आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही है। स्वच्छता और गुणवत्ता पर भी विशेष बल दिया गया है। मानकीकृत प्रोसेसिंग और ट्रेस करने योग्य सप्लाई सिस्टम के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाला चिकन पहुंचे। यही कारण है कि उपभोक्ताओं का विश्वास लगातार सुदृढ़ हो रहा है।

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
Raipur (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(First Call)

NIT NO: 506/NNR/Electrical /RMC/2026 RAIPUR DATED: 03.03.2026

Online bids are invited for the following works of works up to 27.03.2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Cost of Tender form	Earnest Money Deposit	Eligible class of contract or /firm	Time allowed for Completion	SOR Applicable
1	186731	पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रं. 02 अंतर्गत एकता चौक से अविनाश आशियाना रोड में टयूबलर पोल संधारण/स्थापना कार्य बाबत ।	12.00 Lacs	1500.00	12000.00	"D" & ABOVE	03 Month	SOR 2020

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 03.03.2026 17:30 Hours (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.
NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No.18002582502 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. For More Details please download NIT details.
4. Contact no.7898810000

EXECUTIVE ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

संपादकीय

ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसके मुताबिक इस तकनीक की राह में नियम-कायदे जैसी रुकावटें नहीं होनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र में इसी नजरिए को जगह मिली। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर हुए पहले तीन शिखर सम्मेलनों (लंदन, सियोल और परिस) में मुख्य जोर इस तकनीक से संबंधित सुरक्षा एवं इसका विनियमन पर था। मगर नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में ये चिंताएं हाशिये पर चली गईं। उसके बजाय नई दिल्ली घोषणापत्र में मुख्य ध्यान आर्थिक विकास और समावेशन पर दिया गया है। लगभग 900 शब्दों के इस दस्तावेज के केंद्रीय बिंदु एआई के लोकतांत्रिक सम्मिलन का चार्टर, एआई संसाधनों तक पहुंच को प्रोत्साहित करने का स्वैच्छिक एवं अबाध्यकारी फ्रेमवर्क, और स्थानीय प्रासंगिकता के मुताबिक आविष्कार आदि हैं। ये बातें इतनी सामान्य किस्म की हैं कि इन पर मतभेद की गुंजाइश नहीं थी। इसलिए सम्मेलन में शामिल हुए सभी 88 देशों ने सहजता से इस पर दस्तखत कर दिए। जबकि 2025 में हुए पेरिस सम्मेलन में चूंकि एआई के विनियमन पर जोर दिया गया, तो अमेरिका ने साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसकी दलील है कि इस तकनीक की राह में नियम- कायदे जैसी रुकावटें नहीं आनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र को इसी नजरिए से तैयार किया गया। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। चीन भी एआई संप्रभुता की वकालत करता है, इसलिए ऐसे दस्तावेज पर उसे कोई आपत्ति नहीं होनी थी, जिसमें एआई विनियमन के बारे में राष्ट्रीय सरकारों के अधिकार को स्वीकार किया गया हो। चीन में एआई का उपयोग राजकीय नियोजन के तहत आम प्रशासन एवं जमीनी विकास के लिए हो रहा है। अमेरिका की तुलना में यह बिल्कुल अलग नजरिया है। चूंकि एआई के क्षेत्र में प्रमुख शक्तियां अमेरिका और चीन ही हैं, इसलिए वे अपने यहां इस तकनीक को कैसे विकसित कर रही हैं, वह इस समय वैश्विक चर्चा एवं ध्यान का प्रमुख बिंदु है। इस बीच एआई शिखर सम्मेलन उन दोनों सहित तमाम हितधारकों के बीच संवाद का मंच बने हैं। मगर वहां साझा घोषणापत्र अधिकतम सहमति पर ही आधारित हो सकते हैं। नई दिल्ली में यह सहमति बनी, क्योंकि विनियमन समर्थकों ने अपना रुख नरम क लिया और अमेरिकी मंशा के मुताबिक शब्दों के चयन पर सभी राजी हो गए।

केजरीवाल बरी तो भाजपा से ज्यादा कांग्रेस परेशान

सुनील दास

दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल को निचली अदालत ने शराब घोटाले के तमाम आरोपों से बरी कर दिया है।इसका देश व कई राज्यों की राजनीति पर असर पड़ सकता है।इससे दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में राजनीति के नए समीकरण बनने की संभावना बढ़ गई है। केजरीवाल और उनकी पार्टी के दिल्ली चुनाव हार जाने केर बाद दिल्ली सहित कई राज्यों से गायब हो गई थी। देश सहित कई राज्यों में राहुल गांधी सहित कांग्रेस के लिए राजनीति का पूरा मैदान खाली हो गया था। दिल्ली,गुजरात.यूपी ऐसे कई राज्य रहे हैं जहां आप अपना जनाधार बढ़ाकर अपनी राजनीति का विस्तार करना चाहती थी लेकिन दिल्ली चुनाव हार जाने के कारण केजरीवाल व उनकी पार्टी पंजाब तक सीमित रह गई थी।इससे राहुल गांधी को चुनौती देने वाला कोई नेता नहीं रह गया था। केजरीवाल के दिल्ली की राजनीति में सक्रिय नहीं रहने के कारण मोदी के खिलाफकहने वाले, कुछ करने वाले एक ही नेता रह गए थे राहुल गांधी यानी केजरीवाल के न रहने से माना जा रहा था कि पीएम मोदी का मुकाबला एक ही आदमी कर सकता है और वह है राहुल गांधी। देश की राजनीति में पीएम मोदी का विकल्प एक ही नेता है और वह है राहुल गांधी।जब तक दिल्ली के सीएम केजरीवाल थे, वह दिल्ली का चुनाव नहीं हारे थे तो पीएम मोदी के खिलाफ सबसे ज्यादा बोलने वाले व कुछ करने वाले नेता के रूप में केजरीवाल का नाम भी लिया जाता था और माना जाता था कि राहुल गांधी से ज्यादा तो पीएम मोदी के खिलाफ केजरीवाल ही करते हैं। मीडिया में भी केजरीवाल को राहुल गांधी से ज्यादा जगह मिला करता था। केजरीवाल ने तो खुद को पीएम मोदी की टक्कर का नेता बताने के लिए एक बार काशी से चुनाव भी लड़ा था। केजरीवाल जब तक दिल्ली का चुनाव नहीं हारे थे तो हिंदी बेल्ट के जिस राज्य में भी चुनाव होता था वहां केजरीवाल की पार्टी चुनाव जरूर लड़ती थी, वह गुजरात,हरियाणा,यूपी,राजस्थान,मप्र, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में जहां कांग्रेस मजबूत मानी जाती है,वहां चुनाव लड़ते थे और उसका नुकसान कांग्रेस को होता था। क्योंकि वह कांग्रेस के जनाधार में ही सेंध लगाता रहा है।गुजरात में इससे कांग्रेस कमजोर हुई है,चुनाव हारी है। केजरीवाल ने कई राज्यों में कांग्रेस को कमजोर करके उसकी जगह लेने का प्रयास किया है। इसमें उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली है लेकिन इससे कांग्रेस कई राज्यों में कमजोर हुई है। उसका वोट प्रतिशत कम हुआ है। उसका वोट आप को गया है। दिल्ली में केजरीवाल की हार से यह सब बंद हो गया था क्योंकि केजरीवाल ने मान लिया था कि शराब घोटाले के कारण जनता ने उनको वोट नहीं दिया और हरा दिया। अब जब कोर्ट ने शराब घोटाले के तमाम आरोपों से मुक्त कर दिया है तो वह फिर से खुद को कट्टर ईमानदार बता रहे हैं और जनता के बीच जाकर अपने लिए फिर से जगह बनाना चाहते हैं।वह जनता की सहानुभूति बटोरना चाहते हैं। यही वजह है कि वह कह रहे हैं कि वह तो ईमानदार नेता हैं, उनको तो झूठे मामले में फंसाया गया है ताकि उनकी ईमानदार नेता की छबि पर दाग लगाया जा सके। चुनाव हारे तो माना गया कि जनता ने उनको शराब घोटाला करने वाला नेता माना है। इसके बाद केजरीवाल के लिए दिल्ली में कुछ बचा नहीं था,उन्होंने अपनेआपको को पंजाब तक सीमिति कर रखा था, वह राष्ट्रीय राजनीति से गायब हो गए थे, गठबंधन की राजनीति में कोई हैसियत नहीं रह गई थी। कोर्ट के फैसले से उनको फिर से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होने का मौका मिला है। फिर से खुद को मोदी की टक्कर के नेता के रूप में पेश करने का मौका मिला है।यही बात कांग्रेस को बहुत बुरी लग रही ही।

ममता की जिद के कारण अंधियारे की तरफ पश्चिम बंगाल

योगेंद्र योगी

बंगाल में 19वीं सदी के दौरान शिक्षा के केंद्र के रूप में बंगाली पुनर्जागरण ने साहित्यिक और बौद्धिक चेतना का विकास किया, जिससे पश्चिमी शिक्षा का आगमन हुआ। पश्चिम बंगाल ऐतिहासिक रूप से भारत का एक प्रमुख शैक्षणिक और बौद्धिक केंद्र रहा है, जो बंगाली पुनर्जागरण से लेकर आधुनिक काल तक ज्ञान का गढ़ बना रहा है। कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) ने आधुनिक शिक्षा प्रणाली की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें 1857 में स्थापित कलकत्ता विश्वविद्यालय, विश्व-भारती, और आईआईटी खड़गपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। ऐतिहासिक दौर में शिक्षा की कीर्ति पताका फहराने वाले पश्चिम बंगाल की आज हालत यह हो गई है कि 4 हजार स्कूल राम भरोसे हैं। पश्चिम बंगाल की शिक्षा व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। ममता सरकार की जिद से केंद्र सरकार से मिलने वाले 10 हजार करोड़ रुपए डूब गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर यह राशि केंद्र सरकार से मिलने थी। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू नहीं की। ममता सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अहंकार का मुद्दा बना लिया है। केंद्र सरकार के बार-बार अनुरोध करने के बावजूद बंगाल सरकार ने शिक्षा नीति लागू नहीं की नतीजा यह हुआ कि समग्र शिक्षा मिशन के तहत मिलने वाली 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय निधि राज्य को नहीं मिल पाई। पूरे देश में जितने भी स्कूल बिना शिक्षकों के चल रहे हैं, उनमें से 50त्न अकेले पश्चिम बंगाल में हैं। अर्थात बाकी पूरा देश एक तरफ और ममता का बंगाल एक तरफ।

शिक्षा व्यवस्था में आई यह गिरावट बताती है कि टीएमसी सरकार के राज में बच्चों के भविष्य के साथ कैसा खिलवाड़ हो रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति मातृभाषा (बंगाली) में पढ़ाई की बात करती है, लेकिन ममता सरकार इसे लागू नहीं करना चाहती। क्या राज्य सरकार बंगाली में शिक्षा की अनुमति नहीं देना चाहती? केंद्रीय मंत्री ने साफ कर दिया कि अगर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा सत्ता में आती है, तो शिक्षा क्षेत्र उनका 'प्राइम फोकस' होगा। उन्होंने बंगाल की जनता को संदेश दिया कि वर्तमान सरकार ने शिक्षा को बर्बाद कर दिया है और अब बदलाव ही एकमात्र रास्ता है।

इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने जादवपुर विश्वविद्यालय के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त निधि को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। जहां पूरा देश डिजिटल हो रहा है, वहां बंगाल के स्कूल पाषाण युग में जी रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों में इंटरनेट की पहुंच 70त्न है, लेकिन पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में यह आंकड़ा गिरकर महज 16त्न रह गया है। जून 2025 में, केंद्र सरकार ने मध्याह्न भोजन योजनाओं का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या में आई तीव्र गिरावट पर चिंता व्यक्त की। केंद्र सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने भी इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी थी, जिसमें इसे राज्य में स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में वृद्धि का मुख्य कारण बताया गया था।

इससे पहले, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान पश्चिम बंगाल में मध्याह्न भोजन के लिए बजटीय आवंटन 2,377 करोड़ रुपये था। हालांकि, समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान वास्तविक उपयोग मात्र 515.04 करोड़ रुपये (21.66 प्रतिशत) था। इसका अर्थ यह है कि तीनों वित्तीय वर्षों को मिलाकर दोपहर के भोजन के लिए आवंटित बजट का औसत उपयोग प्रतिशत मात्र 16.96 प्रतिशत है। संभवत:, कम प्रतिशत उपयोग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम बंगाल सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस मद के अंतर्गत बजटीय आवंटन को घटाकर 1,150.90 करोड़ रुपये कर दिया है, जो कि 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के संबंधित आंकड़ों की तुलना में काफी कम है।

शिक्षा के लिए बेशक धन नहीं हो किन्तु चुनाव जीतने के लिए ममता सरकार ने खजाने का मुंह खोल दिया है। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेरोजगार युवाओं के लिए राज्य के मासिक ?1,500 भत्ते की शुरुआत 15 अगस्त से आगे बढ़ाकर 1 अप्रैल कर दी है। राज्य की महिलाओं के लिए लक्ष्मी भंडार प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण योजना के तहत मासिक भत्ते में ?500 की वृद्धि भी की थी, जिसे पिछले सप्ताह 5 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किए जाने के बाद फरवरी से लागू किया जा चुका है। सम्मानजनक वेतन वृद्धि की मांग को लेकर पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों के पैरा शिक्षकों विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पैरा शिक्षकों को प्रति माह 10,000 से 13,000 रुपये के बीच वेतन मिलता है और वे संविदा आधार पर काम करते हैं। देश में कर्ज के बोझ तले दबे सबसे बड़े राज्यों में पश्चिम बंगाल टॉप पर है। बंगाल को अपने राजस्व का 42 फीसदी हिस्सा सिर्फ ब्याज के भुगतान में खर्च करना पड़ा है। वित्त वर्ष 2025 में पश्चिम बंगाल पर ब्याज भुगतान का बोझ अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा था। राज्य को टैक्स और नॉन टैक्स रेवेन्यू से 1.09 लाख करोड़ रुपए मिले थे, लेकिन सिर्फ ब्याज भुगतान पर 45 हजार करोड़ से अधिक खर्च किए गए। इसका मतलब हुआ कि उसके राजस्व का 42 फीसदी हिस्सा तो ब्याज चुकाने में ही चला गया। पश्चिम बंगाल की आर्थिक सेहत खराब होने के साथ जिद के चलते शिक्षा की व्यवस्था भी लड़खड़ा रही है। हो सकता है विधानसभा चुनाव ममता की तृणमूल कांग्रेस जीत जाए किन्तु ममता बनर्जी की जिद के कारण इससे विकास की गति को रफ्तार नहीं मिल सकेगी।

खामेनेई के भारत विरोधी बयानों पर नजर डालिये, क्या ऐसे व्यक्ति की मौत पर मातम मनाना जायज है?

नीरज कुमार दुबे

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में हुई मौत के बाद भारत के कुछ हिस्सों में जिस तरह शोक और विरोध का माहौल बनाया जा रहा है, उसने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि भारत के आंतरिक मामलों में गैर-जरूरी टिप्पणियां करते रहे खामेनेई की मौत पर यहां हंगामा क्यों खड़ा किया जा रहा है? खासकर कश्मीर घाटी में हालात क्यों तनावपूर्ण बनाये जा रहे हैं? कश्मीर में जनजीवन लगातार छठे दिन प्रभावित है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद यह पहली बार है जब घाटी में इतने बड़े पैमाने पर विरोध देखने को मिला है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत में आखिर किस बात का मातम मनाया जा रहा है? जिस खामेनेई को लेकर कुछ लोग यहां छाती पीट रहे हैं, वही खामेनेई पिछले एक दशक से बार बार भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करते रहे थे। 2017 में उन्होंने मुस्लिम देशों से कश्मीर के मुसलमानों का समर्थन करने की अपील की थी। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद भी उन्होंने भारत को कश्मीर पर तथाकथित न्यायपूर्ण नीति अपनाने की नसीहत दी थी, जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी और ईरानी दूत को तलब किया था।

यही नहीं, जनवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून को लेकर ईरान की संसद के अध्यक्ष ने इसे मुस्लिम विरोधी बताया था, जिसे भारत ने अपने आंतरिक मामले में दखल करार दिया था। उसी साल दिल्ली दंगों के दौरान खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि भारत को चरमपंथी हिंदुओं का सामना करना चाहिए। उन्होंने दिल्ली दंगे के दौरान हिंसा को मुसलमानों का नरसंहार बताया था। उन्होंने यह तक कहा था कि भारत इस्लामी दुनिया से अलग थलग पड़ सकता है। यही नहीं, सितंबर 2024 में भी खामेनेई ने एक पोस्ट में भारत को म्यांमार और गाजा के साथ जोड़ते हुए टिप्पणी की थी, जिस पर भारत सरकार ने उसे गलत और अस्वीकार्य बताया था। ऐसे व्यक्ति की मौत पर भारत में शोक मनाने वालों से सीधा सवाल है कि क्या उन्हें यह याद नहीं कि यही नेता भारत के खिलाफ लगातार बयान देता रहा था? खामेनेई की मौत पर भारत में मातम मना रहे लोगों को क्या ईरान में महिलाओं पर कठोर नियंत्रण और वहां के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई कठोर दमनात्मक कार्रवाइयां भी दिखाई नहीं देतीं? यहां सवाल यह भी उठता है कि कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी आखिर किस नैतिक अधिकार से मोदी सरकार की ईरान नीति पर सवाल उठा रही हैं? सोनिया गांधी को याद होना चाहिए कि साल 2005 से 2009 के बीच जब भारत अमेरिका के साथ नागरिक परमाणु समझौते पर बातचीत कर रहा था, तब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में तीन बार ईरान के खिलाफ मतदान किया था। आज जब वही दल केंद्र सरकार की नीति पर सवाल उठा रहा है, तब क्या उसे अपने पुराने फैसलों का जवाब नहीं देना चाहिए? देखा जाये तो भारत की आधिकारिक नीति फिलहाल संतुलित दिखाई देती है। नई दिल्ली ने पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता की अपील दोहराई है और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया है। लेकिन देश के भीतर जो भावनात्मक और राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसने यह बहस तेज कर दी है कि आखिर भारत में खामेनेई के लिए किस कारण से मातम मनाया जा रहा है?

ट्रंप और राहुल का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण एक जैसा

बलबीर पुंज

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा-स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड़न और महिला-विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन-भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है।

समय कई बार ऐसी चौंकाने वाली समानताएं हमारे सामने रख देता है, जो राजनीति-जीवन को नए तरीके से समझने का अवसर देती हैं। आज की उथल-पुथल भरी वैश्विक राजनीति में दो ऐसे व्यक्तित्व— अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और देश के नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी— दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा हैं। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रंप विदेशी है और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है।

एक ओर ट्रंप के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन-देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है। वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। ट्रंप द्वारा भारत को मृत अर्थव्यवस्था कहना कोई साधारण कूटनीतिक चूक नहीं थी। दरअसल, यह उस मानसिकता की झलक थी, जिसमें किसी राष्ट्र की ताकत को उसकी स्वतंत्र नीतियों से नहीं, बल्कि वह कितना 'हां में हां मिलाता है'— उस पैमाने पर आंका जाता है। ट्रंप के सहयोगियों द्वारा भारत को रूस का लॉन्ड्रोमैट बताना और रूसी तेल खरीद के मुद्दे पर ब्राह्मण समाज को निशाना बनाना— महज आर्थिक टिप्पणियां नहीं थीं, बल्कि कुटिल औपनिवेशिक चिंतन की परछाई थी।

लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था कथन का समर्थन— मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में अमेरिकी मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर नरेंद्र-सरेंडर जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इनकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है।

निसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है। भारत इसी परतंत्र मानसिकता के कारण शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहा था। बात राहुल के वक्तव्यों तक भी सीमित नहीं है। वे संसद जैसी गंभीर संस्था को अपने आचरण से कई बार उपहास का विषय बना चुके है।

हाल ही में लोकसभा में उन्हें जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देने— जो न तो सार्वजनिक है और न ही रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत— से संसदीय नियमों के तहत रोका गया। उन्होंने संसदीय परंपराओं का सम्मान करने के बजाय इसे संसदीय कार्यवाही में व्यवधान डालने का मुद्दा बना लिया। बार-बार के स्थगन, लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव और योजनाबद्ध टकराव को लोकतांत्रिक प्रतिरोध का नाम दिया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह भी खुलासा किया कि संसद में चर्चा के समय प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई अप्रिय हरकत करने की कोशिश की जा रही थी।

राहुल की यह 'अराजक' शैली नई नहीं है। 2018 में लोकसभा में प्रधानमंत्री को जबरन गले लगाने के बाद अपने सहयोगियों को आंख मारने की घटना आज भी जेहन में ताजा है। नाटकीयता गंभीर राजनीति का पर्याय नहीं हो सकती, वह संस्थागत गरिमा को आहत करती है। संसद परिसर में केंद्रीय मंत्री का जबरन हाथ पकड़कर संयुक्त प्रेस वार्ता का प्रयास भी इसी मानसिकता का विस्तार था। जाने-अनजाने में राहुल देशविरोधियों के हाथों में भी खेलने लगते है। सितंबर 2024 की अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने दावा किया कि भारत में सिख समुदाय की पहचान खतरे में है।

इस बयान को खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नून ने अपने एजेंडे के समर्थन में तुरंत लपक लिया। इससे पहले वर्ष 2023 में राहुल द्वारा ब्रिटेन यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों का आशय था कि भारत में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है और उसे बचाने के लिए 'पश्चिमी हस्तक्षेप' अपेक्षित है। अक्सर, विदेशों में दिए गए ऐसे वक्तव्य घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते और वे भविष्य में देश के शत्रुओं के प्रचार-तंत्र का हथियार बन जाते है।

राहुल इस तरह का व्यवहार क्यों करते है? क्या इसलिए कि वे 'विशेषाधिकार की भावना' से ग्रस्त है? क्या वे मानते है कि केवल उन्हें ही अपने मुताबिक 'लोक' (जनमानस) और 'तंत्र' (मीडिया-न्यायालय सहित) चलाने का 'दैवीय अधिकार' है? असल में उनका यह चिंतन न तो 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद पनपा है और न ही यह भाजपा-आरएसएस तक सीमित है। 27 सितंबर 2013 को उन्होंने अपनी ही केंद्र सरकार के एक अध्यादेश को बकवास बताते हुए उसे सार्वजनिक रूप से फाड़कर फेंक देने की बात कही थी। इसी ठसक से 2019 की एक चुनावी रैली में उन्होंने 'मोदी' उपनाम वाले सभी लोगों को चोर कहा, तो 2024 की एक सभा में भाजपा के दोबारा सत्ता में आने पर देश के आग में जल उठने की आशंका जताई। लगातार चुनावी पराजयों के बाद वे चुनाव आयोग और पूरी निर्वाचन प्रक्रिया पर भी सवाल उठा रहे हैं।

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा-स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड़न और महिला-विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन-भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है। वर्ष 2014 से ऐसे राजनीतिक नेतृत्व को जनादेश मिल रहा हैं, जो सभ्यतागत पुनरोद्धार, कल्याणकारी वितरण और रणनीतिक दृष्टि से ईमानदार है। भारत अभूतपूर्व स्तर पर आधारभूत संरचना का निर्माण, डिजिटल माध्यम से जनहित योजनाओं का विस्तार, रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण और बहुपक्षीय मंचों पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कर रहा है।

ट्रंप अपने व्यवहार-वक्तव्यों से भारत का बहुत अधिक नुकसान नहीं कर सकते। एक तो उनका कार्यकाल सीमित है। दूसरा— भारत इतना सामर्थ्यवान हो चुका है कि वह किसी भी बड़ी वैश्विक शक्ति का विरोध सहते हुए सिर ऊंचा करके जी सकता है। परंतु भारत के भीतर— विशेषकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए जाने वाले गैर-जिम्मेदाराना वक्तव्य देश को गंभीर और गहरा नुकसान पहुंचा सकते हैं।

डायबिटीज की शुरूआत में हमारा मुंह भी देता है वार्निंग साइन

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज एक क्रॉनिक डिसीज है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को तेजी से प्रभावित कर रही है। ब्लडस्ट्रीम में ग्लूकोज के निर्माण के कारण ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि के कई लक्षण हो सकते हैं। वैसे तो डायबिटीज के कुछ लक्षण साफ नजर आते हैं और अधिकतर लोग इनके बारे में जानते भी हैं। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज की शुरूआत ज्यादा भूख लगने, बार-बार पेशाब आने, थकान और चिडचिड़ेपन से होती है। इन मुख्य संकेतों के अलावा हमारा मुंह भी 3 वार्निंग साइन देता है। एक व्यक्ति की ओरल हेल्थ से उनके ब्लड शुगर लेवल सहित स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ पता चल सकता है। आपकी मदद के लिए हम यहां आपको ऐसे ही 3 प्रमुख लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

सूखा हुआ गला

सूखा हुआ मुंह टाइप-1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों के सामान्य और शुरूआती लक्षणों में से एक है। इसमें व्यक्ति का मुंह जरूरत से ज्यादा सूखने लगता है और उसकी प्यास भी बढ़ जाती है। हालात ऐसे बन जाते हैं कि वह एक बार में गैलेन पानी तक पी लेता है। हालांकि, ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि व्यक्ति को क्यों प्यासा महसूस कराती है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन कई सिद्धांतों के अनुसार, मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए ली जाने वाली कुछ दवाओं के कारण ऐसा हो सकता है। सूखे हुए मुंह के लक्षणों में जीभ में सूखापन, मुंह में नमी की कमी, फटे होंठ, मुंह में छाले और चबाने में कठिनाई जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

दांतों का खराब होना

डायबिटीज के रोगी में मसूड़ों की बीमारी के चलते दांत खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। मसूड़ों के चारों तरफ प्लाक बनने से दांतों के बीच गैप आ जाता है, जिससे आसपास की पकड़ ढीली होने लगती है और दांत खराब हो जाते हैं। कई शोधों से पता चलता है कि अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की तुलना में डायबिटीज रोगियों के दांत दोगुना टूटते हैं। वद्धावस्था और उन लोगों में जोखिम ज्यादा खतरनाक है, जो ओरल हेल्थ की देखभाल नहीं करते। सूजे हुए मसूड़े या दांत में दर्द हो , तो यह आपके दांतों के खराब होने का लक्षण है। ओरल हेल्थ से जुड़ी जटिलताओं से बचने के लिए डायबिटीज रोगी को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना चाहिए। मधुमेह के ज्यादातर मामलों में लोग केवल पैर और आंखों की देखभाल पर ध्यान देते हैं। ऐसे में डेंटल केयर को कई बार दरकिनार कर दिया जाता है, जो मौखिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मसूड़े का रोग

मुंह के सूखने पर दांतों के आसपास और मसूड़ों के नीचे लार का उत्पादन प्रभावित होता है। नतीजा, शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे कीटाणु और प्लैग का निर्माण होता है। यह आपके मसूड़ों को परेशान करने के साथ मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांतों के झड़ने का कारण बनता है। अनियंत्रित मधुमेह के मामलों में मसूड़ों की बीमारी ज्यादा आम है। यह बीमारी इस बात का संकेत है कि आपका ब्लड शुगर लेवल खराब है और आपको इस पर ध्यान देना चाहिए। गले में खराश, मसूड़ों में खून आना, संवेदनशील दांत, सांस की दुर्गंध, मुंह में खराब स्वाद आना मसूड़ों की बीमारी के लक्षण देखे गए हैं।

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे।

वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हार्मोन घ्रेलनि के स्तर को कम करते हुए, भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी -1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैग्नीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध पीने के फायदे -

वजन कम करने में मददगार

दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है बल्कि यह वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते हैं।

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही

ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

कब्ज की समस्या

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो गर्म दूध पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। ये पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जिन्हें कब्ज की समस्या है वो गर्म दूध को दवा के तौर पर अपना सकते हैं।

अनिंद्रा की समस्या

रात में दूध पीने का ये सबसे बड़ा फायदा है। कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं जिनके अनुसार, रात को सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीने से नींद अच्छी और भरपूर आती है।

ब्लड प्रेशर

दूध पीने के फायदे में रक्तचाप को नियंत्रित करना भी शामिल है। जी हां, लो-फैट मिल्क का सेवन करने से हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

आयुर्वेद औषधियों में होता है बरगद के फल का प्रयोग

बरगद के फल खनिज लवणों, एंटीऑक्सीडेंट और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होते हैं जो उच्च रक्तचाप से लेकर कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक है। इस पेड़ से मिलने वाले लाभों के बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर ने विस्तार से जानकारी दी है। आज हम आपको इस पेड़ से होने वाले कई फायदों के बारे में बता रहे हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर

बरगद का फल फल एक इम्यूनिटी बूस्टर है। इम्यूनिटी बढ़ाने में बरगद का फल काफी फायदेमंद होता है। यह आपको कई बीमारियों से बचाता है और आपको खांसी, जुकाम, फ्लू आदि से भी दूर रखता है। आयुर्वेद में इस पेड़ को वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र के वैद्य डॉ.शरद कुलकर्णी ख्रट्ट (इभफ),(घ्द्धक़्) ने हमसे बातचीत में बताया बरगद के पेड़ से मिलने वाली हर एक चीज का प्रयोग प्राचीन काल से ही कई तरह की औषधि के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि बरगद के फल से लेकर इसकी छाल, पत्ते, दूध और बीजों का भी कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जाता है।

बरगद के फल के पोषक तत्व

इसका वानस्पतिक नाम फिकस बेंगालेंसिस है। इस पेड़ के फल में भरपूर मात्रा में कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी1, विटामिन बी3 होता है। इसके अलावा इसकी पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है। बरगद में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है।

दिल के लिए फायदेमंद

बरगद के पेड़ के फल पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, ओमेगा 3 और 6 से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ दिल के लिए बहुत जरूरी हैं। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक आमतौर पर तब होता है जब मानव शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जिसके टलते शरीर की धमनियां काम करना बंद कर देती हैं। सोडियम का हाई लेवल धमनियों को श्रिंक यानी संकुचित करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड को धीमा कर देता है। डॉ. के अनुसार, बरगद के फल में मौजूद पोटैशियम सोडियम के स्तर को कम करने में कारगर होता है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो रक्तचाप को कम करते हैं और कोरोनरी हृदय रोग को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं।

मधुमेह में लाभदायक

डॉ.ने बताया कि अगर डायबिटीज के रोगी हर रोज बरगद के फल के चूर्ण का सेवन करें तो उन्हें इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह के मरीज चाहें तो बाजार से इसका पाउडर ले सकते हैं या फिर घर पर इसका उबला हुआ पानी पी सकते हैं।

पेट के रोग को दूर करता है

अगर आप डायरिया और पेचिश से परेशान हैं तो बरगद के पत्तों की कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। आयुर्वेद में इसका उपयोग पुराने दस्त और पेचिश के इलाज के लिए किया जाता है।

इन समस्याओं से भी दिलाता राहत

आयुर्वेद में स्किन डिसीज यानी चर्म रोगों के इलाज के लिए भी बरगद के पेड़ की छाल और पत्तों का प्रयोग किया जाता है। जोड़ों के दर्द को भी कम करने में बरगद के पत्तों का पानी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसके पाउडर को गर्म पानी में मिलाना है और फिर उस पानी में पैर डालने हैं, इससे आपका दर्द कम हो जाएगा।

पसीने के चलते पैरों में होता है इन्फेक्शन

गर्मियों के मौसम में अक्सर मोजे पहनने के बाद उन्हें उतारते ही बदबू का अहसास होता है। ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। इसके अतिरिक्त पसीने की वजह से कई लोगों के तलवों अंगुलियों के निचले हिस्से से खाल उतरने लगती है या खाल नम हो जाती है, यह एक प्रकार का संक्रमण है जिसे एथलीट फुट कहा जाता है। लेकिन इस इन्फेक्शन में पैर एथलीट के पैरों की तरह मजबूत नहीं होते, बल्कि सडने़ लगते हैं और ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। यह एक तरह का दाद है जो पैर की उंगलियों से शुरू होकर पूरे शरीर में फैल सकता है। इस संक्रमण में पैर और तलवे की त्वचा सडने़ लगती है। पसीने में तर मोजे और जूते को पहनने से गर्मियों में पैरों में दाद की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। जूते पहनने के बाद पैरों से लगातार पसीना आता है। इसी पसीने में बैक्टीरिया पनपते हैं। पैरों से निकली डेड स्किन के साथ मिलकर ये बैक्टीरिया दुर्गंध पैदा करते हैं। अगर किसी के पैरों से बहुत दुर्गंध आ रही हो तो इसका मतलब है कि उसके पैरों में बड़ी संख्या में बैक्टीरिया फैल चुका है।

पैर शरीर के उन अंगों में से एक है, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में लोग जूते के साथ मोजे पहनते हैं। मोजे को धोने से पसीना भी धुल जाता है और पैरों में बैक्टीरिया और फंगस नहीं फैलता। लेकिन यदि कोई एक ही मोजे को बार-बार पहने या बिना मोजे के जूता पहने तो जूते में पसीना जमा होने लगता है। जिसके चलते बैक्टीरिया और फंगस बढने़ लगते हैं। इस इन्फेक्शन की वजह से ये फंगस पैरों में दाद-खाज की वजह बन जाते हैं। इसके अलावा कभी भी एक ही मोजा बार-बार बिना धुले न पहनें। मोजे को धुलने के बाद भी अच्छे से डिसइंफेक्टेड करना जरूरी है। धोते हुए ध्यान रखें कि मोजे से डिटर्जेंट अच्छी तरह से निकल जाए नहीं तो ये रैशेज और जलन का कारण हो सकता है। मोजे पहनते हुए ख्याल रखें कि वह पूरी तरह से सूखें हों और उनमें थोड़ी भी नमी न हो। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि पसीने की नमी कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है कि समय-समय पर तलवों तक खुली हवा पहुंचे और वह सूखे रहें।

इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि सप्ताह में कम से कम एक दिन जूते-मोजे की जगह सैंडल या चप्पल पहन कर बाहर निकलें और यदि घर पर हों तो स्लीपर पहनने की कोशिश करें। टाइट जुराब ब्लड सर्कुलेशन को धीमा कर देते हैं। इसके अलावा टाइट मोजे बॉडी हीट को भी बाहर नहीं आने देते, जिससे ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है। पैरों को भी ब्रीथ करने की जरूरत होती है। इसलिए पैरों को समय-समय पर खुले रखना और लूज जुराब पहनना जरूरी है। अपने पैरों के साइज से थोड़े बड़े और कॉटन के मोजे पहनें। मोजे बस इतने टाइट होने चाहिए, जिससे स्किन पर निशान न पड़ें। अगर मोजे से स्किन पर निशान पड़ता है तो इसका मतलब है कि आपको इससे बड़े साइज के मोजे लेने की जरूरत है।

आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आपकी मदद कर सकती हैं आंखों के योग की क्रियाएं

अगर काम के कारण आपकी आंखों में दर्द और थकान रहती है, तो फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। इस योग क्रिया को करने से मात्र 10 मिनट में आग और दिमाग रिलेक्स हो जाएंगे। क्या आप कंप्यूटर के सामने बैठते वक्त अपनी आंखों को रगड़ते हैं। अगर ऐसा है, तो आप अेकेले नहीं हैं। आजकल औसत वयस्क अब दिन में आठ घंटे से ज्यादा समय किसी न किसी प्रकार की स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम ने आंखों में धुंधलापन, खुजली, सिरदर्द, थकान और आंखों में दर्द से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि की है।

दरअसल, स्क्रीन पर ज्यादातर समय बिताने की प्रक्रिया में लोग अपने शरीर के सबसे जरूरी अंग आंखों को भूल जाते हैं। कंप्यूटर और लैपटाप पर काम करते-करते आंखों में दर्द , जलन या थकान महसूस करने लगते हैं। कमजोर या थकी हुई आंखों के कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन अगर आप भविष्य में आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आंखों के लिए योगा की कुछ क्रियाएं आपकी मदद कर सकती हैं। इन्हें करने से मात्र 10 मिनट में न केवल आंखों को बल्कि दिमाग को भी आराम मिल जाएगा। आंखों को आराम देने वाली 3 योग क्रियाएं -

स्टेप-1

- फेशियल योग करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। इसे पोंछकर चेहरे पर कोई सिरम या फेस ऑयल लगा लें।
- अब कुछ सैकंड्स इससे मसाज करें। आपका फेस योगा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।
- सबसे पहले स्टेप में उंगली से अंदर आंखों पर अंदर से बाहर की तरफ मसाज करें।
- हल्के प्रेशर के साथ उंगली को घुमाएं। वैसे आप चाहें, तो इस दौरान आंखें खुली रख सकते हैं , लेकिन बंद रखेंगे तो आंखों को ज्यादा आराम मिलेगा।
- इस स्टेप को आप दो से तीन मिनट तक दोहराएं।
- इसके बाद बाहर से अंदर की ओर सर्कल बनाते हुए मसाज करें।
- कुछ देर मसाज करने के बाद रिलेक्स करें।

स्टेप-2

- इस स्टेप में इंडेक्स और मिडिल फिंगर से वी शेप बनाएं।
- इसे अपनी आंखों के दोनों कोनों पर रखें।
- अब कुछ देर बिना रूके पलकों को झपकाते रहें। रिलेक्स करें और फिर दोहराएं। यहां आंखों पर रखी उंगलियों मसल्स को सपोर्ट करेंगी, जिससे आंखों पर बहुत ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा।
- इस स्टेप को एक बार में एक मिनट तक करें, रिलेक्स हो जाएं और फिर शुरू करें।

स्टेप-3

- अपनी आंखों को बंद कर लें ।
- अब आईबॉल पर उंगली से हल्का प्रेशर करते हुए अंदर से बाहर की ओर घुमाएं। इसके बाद बाहर से अंदर की ओर घुमाएं।
- अब अपने हाथों की सभी उंगलियों को एकसाथ मिला लें और एक-एक हाथ कारके आंखों पर एक-एक कर रखें।
- फिर दोनों हाथों की उंगलियों को आंखों पर रखकर रिलेक्स करें।
- इस स्टेप को आप एक बार में दो से तीन मिनट तक रिपीट कर सकते हैं। चूंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसे करते समय ध्यान रखें कि आंखों पर ज्यादा दबाव न पड़े।

इन फेशियल एक्सरसाइज को दिन के किसी भी समय किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि योग करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें। त्वचा पर सीरम या मॉइश्चराइजर लगा लें। ऐसा करने से स्टेप करना आसान हो जाएगा और स्किन भी डैमेज नहीं होगी।

संक्षिप्त-खबर

त्रिभुवन यदु बने दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता

पाटन। दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने सेलूद निवासी त्रिभुवन यदु को जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी का प्रवक्ता नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति के बाद क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर देखी जा रही है। बताया गया है कि त्रिभुवन यदु लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हुए हैं और पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और सक्रियता को देखते हुए जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति पर सेलूद सहित आसपास के क्षेत्रों के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है तथा उम्मीद जताई है कि वे संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

किरण नायक बनी बसना भाजपा महिला मोर्चा की मंत्री

बसना (समय दर्शन)। ग्राम रसोड़ा भालुपतेरा के सक्रिय एवम मिलनसार ग्राम पंचायत रसोड़ा के उप सरपंच किरण नायक भालुपतेरा को भारतीय जनता पार्टी बसना मण्डल महिला मोर्चा बसना के मंत्री पद की जिम्मेदारी दी गयी है। किरण नायक के कार्यशैली से ग्राम रसोड़ा एवम आसपास के जनता भारी प्रसन्न है । वे क्षेत्र में उप सरपंच के पद पर रह कर शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं को जनता तक पहुचाने में लगातार सहयोग करती है । मंत्री पद प्राप्त करते ही लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी एवम विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल भारतीय जनता पार्टी मंडल बसना के अध्यक्ष नरेंद्र यादव से प्रत्यक्ष मुलाकात कर धन्यवाद ज्ञापित किया, एवम पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा के साथ जिम्मेदारी का निर्वहन बखछबी करने वचन दिए।

ललितपुर विद्यालय में 21वी बार नेवता भोज का हुआ आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा, में संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे के मार्गदर्शन एवम प्रधान पाठक गफ्फार खान के नेतृत्व में आज दिनांक 6 मार्च 2026 को पीएम पोषण योजना अंतर्गत नेवता भोज का आयोजन आंशिक रूप से हुआ।आज का यह नेवता भोज ललितपुर विद्यालय में 21 वी बार हुआ। आज का नेवता भोज प्रधान पाठक गफ्फार खान द्वारा दिया गया।नेवता भोज में जलेबी ,मिक्कर, अमरूद,बेर, बिस्किट ,चाकलेट, वितरित किया गया । नेवता भोज का आनंद सभी बच्चों ने लिया।इस नेवता भोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कहा नेवता भोज का कार्यक्रम हमारे विद्यालय में पूरे सत्र भर अभिभावकों के सहयोग से हुआ है। समस्त दानताओ का बहुत बहुत धन्यवाद शाला प्रबंधन समिति सदस्य श्री प्रेमलाल चौहान ने कहा कि नेवता भोज के सतत आयोजन से हम पालकों को बार बार विद्यालय आने का मौका मिल रहा है जिससे विद्यालय की तरफ पालकों का लगाव बढ़ गया है। आज के कार्यक्रम में शाला प्रबंधन सदस्य प्रेमलाल,मंगलू साहू , घुरऊराम ,बुधियारीन,आंगनबड़ी कार्यकर्ता रामवती,सहायिका गायत्री , भगवती,अंजलीआदि उपस्थित थे।

नेवता भोज के इस आयोजन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे,विकास खण्ड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव , सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, जमदरहा संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे , बड़ेटेमरी संकुल समन्वयक वारिश कुमार संकुल समन्वयक संघ बसना के अध्यक्ष त्रिकांत बाघ ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

शासकीय विद्यालयों में आहता, शौचालय एवं मरम्मत कार्यों के लिए एक करोड़ 99 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

महासमुन्द (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले के शासकीय विद्यालयों में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु आहता निर्माण, शौचालय निर्माण, लघु निर्माण एवं मरम्मत कार्य कराए जाएंगे। समय-समय पर जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विद्यालयों में आहता, शौचालय एवं अन्य लघु निर्माण कार्य कराए जाने की मांग की गई थी। उक्त मांगों के परीक्षण के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को वास्तविक आवश्यकता एवं औचित्य के आधार पर विद्यालयों का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए गए थे। प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर चिन्हित शासकीय शाला भवनों में भवन निर्माण, मरम्मत एवं शौचालय निर्माण कार्य कराए जाना आवश्यक पाया गया। इसके लिए कुल 1 करोड़ 99 लाख 7 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह राशि जिला पंचायत महासमुन्द के शिक्षा मद से व्यय की जाएगी। जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा ने बताया कि विभिन्न निर्माण कार्यों में महासमुंद विकासखण्ड अंतर्गत 3 शासकीय प्राथमिक शाला एवं एक पूर्व माध्यमिक शाला में कुल 40 लाख 35 हजार रुपए की लागत से कुल 5 अतिरिक्ति कक्ष निर्माण किया जाएगा। इसी तरह बागबाहरा

विकासखण्ड अंतर्गत 2 पूर्व माध्यमिक शाला एवं एक प्राथमिक शाला के लिए 45 लाख 92 हजार रुपए की लागत से नवीन भवन निर्माण कराया जाएगा। पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत 2 प्राथमिक शाला भवन में 9 लाख 88 हजार रुपए की लागत से क्रमश: अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय निर्माण कार्य किया जाएगा। बसना विकासखण्ड अंतर्गत 3 प्राथमिक शालाओं में कुल 7 अतिरिक्त कक्ष निर्माण, एक प्राथमिक शाला एवं 2 हायर सेकेण्डरी स्कूल में कुल 3 शौचालय निर्माण कार्य एवं एक प्राथमिक शाला भवन का मरम्मत कार्य किया जाएगा। जिसकी कुल लागत राशि 69 लाख 92 हजार रुपए है। इसी तरह सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत 2 प्राथमिक शाला एवं एक पूर्व माध्यमिक शाला के लिए 33 लाख रुपए की लागत से 3 नवीन भवन निर्माण कार्य किया जाएगा। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने निर्माण कार्यों के क्रियान्वयन के लिए कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा महासमुंद को निर्माण एजेंसी निर्धारित किया गया है। सभी स्वीकृत कार्यों को 30 जून 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा की जाएगी तथा कार्य की प्रगति की जानकारी समय-समय पर जिला शिक्षा कार्यालय को उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रत्येक निर्माण स्थल पर ठेकेदार का नाम, स्वीकृत लागत आदि की जानकारी के साथ सूचना पटल अनिवार्य रूप से लगाने तथा कार्य पूर्ण होने के बाद भवन पर निर्माण सत्र 2025-26 अंकित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

बागबाहरा (समय दर्शन)। कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी बागबाहरा में सत्र 2025-26 के राज्य छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विकासखंड शिक्षा अधिकारी के.के. वर्मा ने की। बैठक में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामता मन्नाडे, बीआरसी भुपेश्वरी साहू सहित विकासखंड अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं संस्था प्रमुख उपस्थित रहे।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी निर्देशों के पालन में छात्रवृत्ति पंजीयन एवं लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी वर्मा ने कहा कि जिले स्तर पर छात्रवृत्ति कार्य की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है और समय-समय पर इसकी प्रगति की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकासखंड स्तर पर

किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान प्राचार्य विकास साहू, कुश साहू, लालजी साहू, हरक दीवान, मदन पटेल सहित अन्य संस्था प्रमुखों ने अपने-अपने विद्यालयों में छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की।

इस दौरान कुछ विद्यालयों में छात्रवृत्ति से संबंधित प्रविष्टि एवं दस्तावेज अपलोड का कार्य अभी भी लंबित पाया गया। बैठक में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामता मन्नाडे द्वारा छात्रवृत्ति पोर्टल में प्रविष्टि, विद्यार्थियों की जानकारी के सत्यापन तथा आवश्यक दस्तावेजों के अपलोड के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया कि विद्यार्थियों की जानकारी का सूक्ष्म परीक्षण कर त्रुटिरहित प्रविष्टि सुनिश्चित करें, ताकि आगे किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री वर्मा द्वारा ड्रॉप बॉक्स में लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने सभी संस्था प्रमुखों को आगामी दो दिवस के भीतर ड्रॉप बॉक्स में लंबित समस्त प्रकरणों का निराकरण कर रिपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति कार्य शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए सभी संस्था प्रमुख पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए पात्र विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने की स्थिति में संबंधित संस्था प्रमुख की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं प्राचार्यों ने निर्देशों के पालन का आश्वासन देते हुए छात्रवृत्ति से संबंधित लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने की सहमति व्यक्त की।

सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं की शिक्षा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में सराहनीय कदम

छात्राओं की मेहनत और समय की हो रही बचत

मुंगेली(समय दर्शन) शासन की सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं की शिक्षा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सराहनीय कदम है। नि:शुल्क सायकल मिलने से छात्राओं को स्कूल में आने-जाने में सहूलियत हो रही है। साथ ही उनके समय और मेहनत की बचत हो रही है। इसी तारतम्य में मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम बैहाकापा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राओं को योजना के तहत नि:शुल्क सायकल प्रदान की गई। सायकल मिलने से छात्राओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

स्कूल की छात्रा योमिता ने कहा कि वह रोज़ सायकल से आसानी और आत्मविश्वास के साथ स्कूल जाती है। लंबी दूरी अब बाधा नहीं रही, बल्कि उसका सफ़र सुरक्षित, सुगम और आनंददायक बन गया है। छात्रा गौरी ने बताया कि सायकल मिलने से समय की बचत हो रही है, जिससे वह पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पा रही है। उसकी उपस्थिति नियमित हुई है और आत्मविश्वास भी बढ़ा है। इसी तरह मनीषा, चिंकी सहित अन्य छात्राओ ने इस बदलाव के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरस्वती सायकल योजना जैसी पहल ने न केवल उनकी शिक्षा को आसान बनाया है, बल्कि उनके सपनों को भी नई दिशा दी है।

कलार समाज हुआ एकजुट विवादित मामले को लेकर, निष्पक्ष जांच की मांग, सामाजिक जनों ने सौंपा ज्ञापन

पिथौरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ डड़सेना कलार समाज कौड़िया पिथौरा की एक महत्वपूर्ण एवं आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष नीरज गजेंद्र के निर्देश पर आयोजित की गई।

इस बैठक में समाज के विभिन्न पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों की उपस्थिति में समाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला उपाध्यक्ष भुखन सिन्हा, जिला सचिव परमेश्वर सिन्हा, जिला सहसंपादक पीताम्बर डड़सेना तथा पूर्व जिलाध्यक्ष बूढ़ेश्वर डड़सेना विशेष रूप से उपस्थित रहे। कौड़िया पिथौरा कलार समाज के संरक्षक प्रेमलाल सिन्हा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नंदकुमार सिन्हा एवं उपाध्यक्ष मान श्रवण डड़सेना के नेतृत्व में बस स्टैंड स्थित सामाजिक भवन पिथौरा में आयोजित इस बैठक में समाज के बड़ी संख्या में पदाधिकारी, वरिष्ठजन एवं युवा साथी उपस्थित हुए। बैठक के दौरान मंडलेश्वर पुनीत सिन्हा सहित अन्य नौ लोगों के विरुद्ध श्रीमती लालिमा डड़सेना (पति जुगल किशोर डड़सेना, पिता सालिकराम डड़सेना) द्वारा सहगोत्री मामले को लेकर थाना पिथौरा में दर्ज कराई गई एफ्आईआर को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस विषय पर

सामाजिक जनों ने गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह एफ्आईआर पूरी तरह फर्जी, निराधार और दुर्भावनापूर्ण प्रतीत होती है। सामाजिक जनों का कहना था कि बिना पर्याप्त तथ्यों और प्रमाणों के इस प्रकार की शिकायत दर्ज कराना न केवल संबंधित व्यक्तियों की सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है, बल्कि इससे पूरे समाज की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उपस्थित लोगों ने कहा कि समाज में अनावश्यक विवाद और तनाव उत्पन्न करने वाले ऐसे कृत्य समाज की एकता और भाईचारे को कमजोर करते हैं। बैठक में समाज के पदाधिकारियों और वरिष्ठजनों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यात्मक जांच कराई जानी चाहिए। यदि जांच में शिकायत झूठी और निराधार पाई जाती है तो उसे तत्काल खारिज / समाप्त किया जाना चाहिए। इसी मांग को लेकर सामाजिक जनों ने सामूहिक रूप से पुलिस अधीक्षक महासमुंद, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पिथौरा तथा थाना प्रभारी पिथौरा के नाम ज्ञापन सौंपकर उचित कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर कौड़िया कलार समाज के संरक्षक प्रेमलाल सिन्हा, उपाध्यक्ष नंदकुमार डड़सेना, मान श्रवण डड़सेना, नगर प्रमुख राजू सिन्हा तथा युवा मंच अध्यक्ष ओम सिन्हा ने अपने वक्तव्य में कहा कि सालिकराम डड़सेना पूर्व में समाज के मंडलेश्वर रह चुके हैं और वे वर्तमान मंडलेश्वर पुनीत सिन्हा सहित अन्य लोगों से व्यक्तिगत रंजिश रखते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी रंजिश के चलते अपनी पुत्रवधु लालिमा डड़सेना के माध्यम से समाज में भ्रम और नकारात्मक वातावरण बनाने के उद्देश्य से झूठी शिकायत दर्ज कराई गई है। सामाजिक जनों ने यह भी कहा कि यदि इस मामले में प्रशासन द्वारा जल्द ही उचित और न्यायपूर्ण कार्रवाई नहीं की गई तो समाज के लोग आगे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की कि मामले की गंभीरता को समझते हुए जल्द से जल्द उचित निर्णय लिया जाएगा ताकि समाज में फैल रही गलतफहमियों और विवादों को समाप्त किया जा सके। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व जिला अध्यक्ष बूढ़ेश्वर डड़सेना, जिला उपाध्यक्ष भुखन सिन्हा, जिला सचिव परमेश्वर डड़सेना, जिला सहसंपादक पीताम्बर डड़सेना, संरक्षक प्रेमलाल सिन्हा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नंदकुमार डड़सेना, उपाध्यक्ष मान श्रवण डड़सेना, आमंत्रित अतिथि रतन डड़सेना, नगर प्रमुख राजू सिन्हा, युवा मंच अध्यक्ष ओम सिन्हा, क्षेत्राधिकारी पुष्पराज गजेंद्र, ह्रदेश सिन्हा, रामकुमार डड़सेना, श्यामलाल डड़सेना, रामचरण डड़सेना, रमेश सिन्हा, साबुलाल डड़सेना, गजेंद्र सिन्हा, कौशिक सिन्हा, महेश सिन्हा, सादराम डड़सेना, अशोक डड़सेना, अवध डड़सेना, ईश्वर पप्पू सिन्हा, परमानंद डड़सेना, भेखराम डड़सेना, गोलू सिन्हा, अमित सिन्हा, खिलेश सिन्हा सहित सैकड़ों सामाजिक जन उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने ली राइस मिलर्स की बैठक, धान उठाव में तेजी लाने के निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर अपर कलेक्टर जी.एल. यादव ने कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन सभाकक्ष में जिले के राइस मिलर्स की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में धान खरीदी के बाद उपार्जन केंद्रों में रखे धान के शीघ्र उठाव एवं मिलिंग प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्री यादव ने सभी राइस मिलर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि धान उपार्जन केंद्रों में रखे धान का शत-प्रतिशत उठाव निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि धान के उठाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि किसानों से खरीदे गए धान का समय पर परिवहन एवं मिलिंग कार्य पूरा हो, ताकि भंडारण में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। अपर कलेक्टर ने कहा कि धान के उठाव और परिवहन के दौरान सभी आवश्यक नियमों एवं गुणवत्ता मानकों का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि धान का सुरक्षित भंडारण, समय पर परिवहन और मिलिंग की प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है। इसके साथ ही मिलर्स को धान उठाव की दैनिक प्रगति की जानकारी संबंधित विभागों को नियमित रूप से उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने धान उपार्जन केंद्रों की स्थिति, उपलब्ध धान की मात्रा तथा उसके उठाव की प्रगति के संबंध में जानकारी दी। उन्होने कहा कि जिले के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव लगातार जारी है और इसे और तेज करने के लिए राइस मिलर्स के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जा रहा है। अपर कलेक्टर श्री यादव ने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे धान उठाव की प्रक्रिया पर सतत निगरानी रखें और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। बैठक में राइस मिलर्स से सुझाव भी लिए गए तथा धान उठाव की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति बनी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि धान उठाव और मिलिंग कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सभी की जिम्मेदारी है।

आधुनिक तकनीक से माखन सोनवानी ने मछली पालन में रचा कीर्तिमान, 10 महीने में कमाया 03 लाख से अधिक का हुआ लाभ

मुंगेली(समय दर्शन) जिले के परमहंस वार्ड निवासी माखन सोनवानी आज क्षेत्र के मत्स्य पालकों और किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं। पारंपरिक खेती के साथ-साथ उन्होंने आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए मछली पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाय) का लाभ उठाकर उन्होंने कम समय में अच्छी आमदनी प्राप्त की और यह साबित किया कि यदि सही तकनीक और मेहनत का साथ हो तो मछली पालन भी किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बन सकता है।

आधुनिक तकनीक अपनाकर बदली किस्मत- माखन सोनवानी पहले पारंपरिक तरीके से खेती करते थे, लेकिन आय सीमित होने के कारण वे कुछ नया करने की सोच रहे थे। इसी दौरान उन्हें मत्स्य विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के बारे में जानकारी मिली। अधिकारियों के मार्गदर्शन में उन्होंने पौंड लाइनर तकनीक से मछली पालन करने का निर्णय लिया। इस तकनीक के तहत उन्होंने लगभग 1421 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में पौंड लाइनर लगाकर तालाब नुमा टैंक तैयार किया। इसका मुख्य लाभ पानी का रिसाव नहीं होता, जिससे पानी लंबे समय तक सुरक्षित रहता है और मछलियों

की वृद्धि के लिए नियंत्रित एवं अनुकूल वातावरण मिलता है। साथ ही इससे पानी की गुणवत्ता बनाए रखने में भी आसानी होती है।

उच्च गुणवत्ता वाली मछली प्रजाति का किया चयन- माखन सोनवानी ने अपने तालाब में पंगेशियस प्रजाति की मछलियों के 10 हजार बीजों का स्टॉक किया। यह प्रजाति तेजी से बढ़ने वाली और बाजार में अधिक मांग वाली मछली मानी जाती है। उन्होंने मत्स्य विभाग के मार्गदर्शन में नियमित रूप से मछलियों को संतुलित आहार दिया और समय-समय पर दवाओं का उपयोग कर मछलियों को रोगमुक्त रखा। उन्होने बताया कि मछली पालन में समय पर दाना (फीड), पानी की गुणवत्ता और रोग नियंत्रण का विशेष ध्यान रखना आवश्यक होता है। सही प्रबंधन से उत्पादन भी बढ़ता है और बाजार में मछलियों की अच्छी कीमत मिलती है। लगातार मेहनत और सही तकनीक के उपयोग का परिणाम यह रहा कि लगभग 10 महीने के भीतर ही मछलियां बाजार में बिक्री के लिए तैयार हो गईं। जब हार्वेस्टिंग की गई, तो मछलियों का औसत वजन करीब एक किलोग्राम प्रति मछली तक पहुंच गया। उन्होंने तालाब से लगभग 8 हजार 500 किलोग्राम (85 क्विंटल) मछली का उत्पादन प्राप्त हुआ। स्थानीय बाजार में मछलियों की अच्छी मांग होने के कारण उन्हें 105 प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक्री मूल्य मिला। माखन सोनवानी की इस सफल पहल से उन्हें अच्छा आर्थिक लाभ मिला। महज 10 महीने में उन्हें 03 लाख रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, जो कि पारंपरिक खेती की तुलना में काफी बेहतर है। माखन सोनवानी की सफलता को देखकर आसपास के कई किसान भी अब मछली पालन की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे स्वयं भी किसानों को इस व्यवसाय के बारे में जानकारी देते हैं और बताते हैं कि यदि वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन किया जाए तो कम क्षेत्र में भी अच्छी आय अर्जित की जा सकती है।

खबर-खास

संघर्ष से सफलता तक: सविता कर्ष की लखपति दीदी बनने की कहानी

मेहनत, विश्वास और समूह के सहयोग से बनी लखपति दीदी

जांजगीर-चांपा //समय दर्शन // जिले के विकासखंड नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत केरा की निवासी श्रीमती सविता कर्ष की, जिन्होंने मेहनत, आत्मविश्वास और स्व-सहायता समूह के सहयोग से आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। श्रीमती सविता कर्ष वर्ष 1 जनवरी 2013 को गठित तुलसी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें न केवल नई सोच और अवसर मिले, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने का संकल्प भी मजबूत हुआ। श्रीमती सविता कर्ष ने बताया कि उनके समूह को कुल 2 लाख रूपए की राशि बैंक से ऋण प्राप्त हुआ था। जिसमें से समूह के द्वारा 42000 रूपए की राशि मुझे व्यक्तिगत रूप से उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा ओएसएफसे 25600 की राशि, सीआईएफ से 22300 की राशि एवं स्वसहायता समूह द्वारा 12000 रूपए की राशि प्राप्त हुई। इस राशि का सदुपयोग करते हुए उन्होंने अपने गांव में कपड़ों की दुकान शुरू की। शुरुआत में यह व्यवसाय छोटे स्तर पर था, लेकिन उनके परिश्रम और लगन ने धीरे-धीरे इसे क्षेत्र में पहचान दिलाई। आज उनकी दुकान श्रृंगार सदन के नाम से जानी जाती है। लगातार मेहनत और ग्राहकों के विश्वास के कारण उनका व्यवसाय निरंतर आगे बढ़ता गया। वर्तमान में सविता कर्ष की मासिक आय लगभग 25 हजार रुपये है और वे प्रतिवर्ष करीब 3 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से वे अपने परिवार की जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा और घर की जिम्मेदारियों को भी बेहतर तरीके से निभा रही हैं। श्रीमती सविता कर्ष की यह सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह संदेश भी है कि यदि महिलाएं संगठित होकर आत्मविश्वास और मेहनत के साथ आगे बढ़ें, तो वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं। आज श्रीमती सविता कर्ष अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उनकी कहानी बताती है कि समूह की ताकत, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से हर महिला लखपति दीदी बनने का सपना साकार कर सकती है।

मरीज के उपचार में लापरवाही पाए जाने पर सोमेश्वर हॉस्पिटल के लाइसेंस निलंबित

गरियाबंद। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यूएस नवरत्न ने बताया कि जिला मुख्यालय स्थित सोमेश्वर हॉस्पिटल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी स्थापनाएं अनुज्ञापन अधिनियम 2010 एवं नियम 2013 के तहत निजी सोमेश्वर हॉस्पिटल का अनुज्ञा पत्र को निलंबन एवं निरस्त करने के संबंध में मीडिया में प्रसारित की गई थी। जिसमें प्रसारित समाचार अस्पताल की लापरवाही से युवक की मौत, परिजन बोले-बिना, जांचे भेजी गई एम्बुलेंस, ऑक्सीजन खत्म होने से मरीज ने रास्ते में तड़प-तड़पकर तोड़ा दम, दोषियों के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई की मांग के संबंध में जांच के लिए कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. युएस नवरत्न द्वारा 4 सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया था।

निधन : टेंट व्यवसायी चार्ली मसीह

दुर्ग । बोरसी कॉलोनी निवासी एवं टेंट व्यवसायी चार्ली मसीह 68वर्ष का शुक्रवार को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 7 मार्च, शनिवार को दोपहर 12.30 बजे उनके निवास स्थान से कब्रिस्तान, नेहरुनगर भिलाई के लिए रवाना होगी। वे शिक्षा विभाग की सेवानिवृत्त कर्मचारी झरना मसीह के पति, पुलिस विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी सैमसन मसीह के बड़े भाई और सागर व साहिल मसीह के पिताजी थे। स्व. चार्ली मसीह कसारीडीह सुभाषनगर स्थित सागर टेंट हॉउस के संचालक थे। वे नागरिक सहकारी बैंक के पूर्व डायरेक्टर, दुर्ग मेनोनाईट चर्च के पूर्व अध्यक्ष, शीतला मंदिर सिविललाइन कसारीडीह के आजीवन सदस्य, दुर्ग चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पूर्व मंत्री के अलावा विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों में पदाधिकारी रह चुके है।

होली उत्सव में जल संरक्षण का संदेश, केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने फाग गीत गाकर जमाया रंग

दुर्ग प्रेस क्लब के होली मिलन समारोह में शामिल हुए जनप्रतिनिधि, समाजसेवी व व्यापारी

दुर्ग (समय दर्श न)। होली पर्व पर इंदिरा मार्केट स्थित प्रेस कॉम्पलेक्स में जमकर खुशियां बिखरी। परम्परानुसार यहां दुर्ग प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष राकेश पांडेय, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, नगर निगम सभापति श्याम शर्मा, दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, निगम नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, प्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स उपाध्यक्ष अशोक राठी, जिलाध्यक्ष अनूप गटागट, समाजसेवी डॉ. मानसी गुलाटी, महेन्दी भाई समनानी, पूर्व सभापति दिनेश देवांगन, जिला भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री नीतू श्रीवास्तव बतौर अतिथि शामिल हुए।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने फाग गीत गाकर होली के उत्साह को दुगुना कर दिया। फाग गीत व अन्य होली के गीतों पर मौजूद लोगों ने नाच गाकर अपनी खुशियों का ईजहार किया, वहीं जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, व्यापारियों एवं समाज के अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा दुर्ग प्रेस क्लब के पत्रकारों के साथ फूलों की होली खेल कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके पहले दुर्ग प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरुण मिश्रा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रेस क्लब के गतिविधियों व रचनात्मक कार्यों से अतिथियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सभी अतिथियों द्वारा मौजूद लोगों को होली पर्व की बधाई देते हुए अपने विचार व्यक्त किए गए और होली पर्व को प्रेम व सौहार्द्र का पर्व निरुपित किया गया। अतिथियों द्वारा प्रेस क्लब के आयोजन की सराहना करते हुए होली पर्व की परम्परा और संस्कृति को चलायमान रखने पत्रकारों को साधुवाद दिया गया। समारोह का संचालन दुर्ग प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष रोमशंकर यादव और आभार व्यक्त संरक्षक राजेन्द्र ठाकुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर दुर्ग प्रेस क्लब के महासचिव देवीलाल साहू, उपाध्यक्ष अतुल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आशीष ठाकुर, पूर्व अध्यक्ष संतोष मिश्रा,धनेन्द्र सिंह चंदेल, सहसचिव घनश्याम भारद्वाज, सोशल मीडिया एवं महिला विंग प्रभारी वीणा दुबे, कार्यालय सचिव पुरेन्द्र देशमुख, कार्यकारिणी सदस्य पवन देवांगन,पुनीत कौशिक, महेन्द्र साहू,हेमंत कपूर, ज्वाला प्रसाद अग्रवाल, गोविंद यदु, रंजन पांडेय, हितेश शर्मा, आकाश राव मदने, कोमल वर्मा, नरेश बनवासी, हमीद खान, सुमीत गुप्ता, दीपक राजपूत, दीपक खडतकर, रितेश टिकरिहा, भाजपा नेता विनोद ताम्रकार, मुकेश बेलचंदन, जिला पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष तेखन सिन्हा, चेम्बर पदाधिकारी बहादुर अली थर्रानी, जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष राजीव पांडेय के अलावा गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर होली मिलन समारोह को यादगार बना दिया।

होली के दिन लापता हुए नाबालिक बच्चे का शव खेत में मिला, हत्या की आशंका

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कनकेवा में होली के दिन लापता हुए नौ वर्षीय बालक का शव गुरुवार सुबह खेत में मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान धनेश निषाद (उम्र लगभग नौ वर्ष) के रूप में हुई है, जो कक्षा दूसरी का छात्र था।जानकारी के अनुसार धनेश निषाद बसना क्षेत्र के अपने मामा के गांव दूधीपाली में रहकर पढ़ाई करता था। होली का त्योहार मनाने वह अपने गांव कनकेवा आया हुआ था। ग्रामीणों के मुताबिक चार मार्च को गांव में होली कार्यक्रम के दौरान वह करीब दोपहर बारह बजे के बाद अचानक लापता हो गया।

बच्चे के लापता होने की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों ने गांव व आसपास के खेत-खलिहानों में उसकी तलाश शुरू की। मामला सोशल मीडिया में फैलने के बाद सरायपाली पुलिस भी हरकत में आई और डॉग स्क्वॉड की मदद से शाम करीब चार बजे से रात बारह बजे तक तलाश अभियान चलाया गया, लेकिन बच्चे का कोई पता नहीं चल पाया। गुरुवार सुबह बच्चे के घर से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में उसका शव मिलने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सरायपाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी ।सरायपाली पुलिस ने बताया कि बच्चे का शव बरामद हुआ है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। शव को जानवरों द्वारा नोचने के निशान भी मिले हैं। पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई की जा रही है तथा फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा होने की बात कही।

ग्राम पंचायत हसौद में झोलाछाप बंगाली डॉ. का अवैध क्लिनिक वर्षों से संचालित

प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्यवाही नहीं करने का लग रहा गंभीर आरोप

सक्ती (समय दर्शन)। जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम हसौद में एक कथित बंगाली झोलाछाप डॉक्टर का अवैध क्लिनिक पिछले कई दशकों से संचालित होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना वैध डिग्री और अनुमति के संचालित इस क्लिनिक में इलाज के नाम पर लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है, जिससे कई गंभीर घटनाएं और मौतें भी हो चुकी हैं।

जानकारी के अनुसार, पूर्व में भी इसी कथित बंगाली डॉक्टर द्वारा इलाज के दौरान एक वृद्ध महिला की मौत हो गई थी। उस समय मामला गंभीर होने पर पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर जेल भेजा था तथा उसके अवैध क्लिनिक को सील कर दिया गया था।

लेकिन हैरानी की बात यह है कि कुछ समय बाद आरोपी जमानत पर रिहा होकर वापस आ गया और प्रशासन द्वारा सील किए गए क्लिनिक को कथित तौर पर जबरन तोड़कर दोबारा अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि इसके बाद से यह झोलाछाप डॉक्टर लगातार गांव और आसपास के क्षेत्र के लोगों का इलाज कर रहा है, जबकि उसके पास किसी प्रकार की वैध चिकित्सा डिग्री या लाइसेंस नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के चक्कर में कई मरीजों की हालत बिगड़ी है और कुछ लोगों की जान भी जा चुकी है। बावजूद इसके प्रशासनिक स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस पूरे मामले की जानकारी स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार दी जा चुकी है। साथ ही पत्रकारों द्वारा भी लगातार इस मुद्दे को समाचार पत्रों और मीडिया के माध्यम से उठाया गया है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय केवल कार्यालयों में बैठकर तमाशा देखते नजर आ रहे हैं।

हाल ही में होली के दिन ग्राम हसौद में हुई एक बड़ी घटना ने एक बार फिर इस पूरे मामले को चर्चा में ला दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की होती तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता था।

अब क्षेत्र के लोगों में प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब पहले भी मौत और गिरफ्तारी जैसी घटनाएं हो चुकी हैं, तब भी आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध क्लिनिक दोबारा संचालित हो रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध क्लिनिक को तत्काल बंद कराया जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी निर्दोष व्यक्ति की जान से खिलवाड़ न हो।

अब देखना यह होगा कि समाचार सामने आने के बाद प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए क्या ठोस कदम उठाता है।

कलेक्टर उइके ने शहर विकास योजना के संबंध में ली बैठक

जनप्रतिनिधियों व नागरिकों की सहभागिता से शहर को विकसित करने पर दिया गया जोर

गरियाबंद (समय दर्श न)। आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शहर विकास योजना के संबंध में बैठक आयोजित की गई।इस दौरान कलेक्टर बीएस उइके एवं पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर,नगर पालिका परिषद् के अध्यक्ष रिखिराम यादव ने बैठक में शहर के समग्र विकास, बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में शहर के बस स्टैंड को व्यवस्थित एवं सुचारू बनाने के संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारू रहे तथा यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों को व्यवस्थित जगह शिफ्ट करने के लिए जगह का चिन्हांकन करने को कहा।जिससे की बाजार आनेवाले लोंगो को किसी भी प्रकार की असुविधा न हों।बैठक में नगर पालिका के नए कार्यालय भवन तथा मांगलिक भवन के निर्माण से संबंधित प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।इसके साथ ही शहर के मास्टर प्लान को व्यवस्थित रूप से लागू करने,शहर में नए गार्डन के निर्माण तथा नागरिकों के लिए पुस्तकालय की सुविधा विकसित करने पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर श्री उइके ने छिंद तालाब के पास टर्निंग क्षेत्र में साफ-सफाई एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं छुरा रोड पर बढ़ते अतिक्रमण को हटाने के लिए भी संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने कहा गया। बैठक में शहर के तालाबों के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई, ताकि इन स्थलों को आकर्षक बनाया जा सके और नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक स्थान उपलब्ध हो सकें। इसके अलावा महत्वपूर्ण सुविधाओं के विकास और विस्तार के संबंध में भी स्थानिय जनप्रतिनिधि,मीडिया प्रतिनिधियों, नगर के गणमान्य नागरिकों तथा अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि शहर के समग्र विकास को सुव्यवस्थित करने के लिए सभी का सहयोग एवं राय जरूरी है। ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सके।इस दौरान बैठक में अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेंद्र पटेल, एसडीओपी सुश्री निशा सिन्हा,डीएसपी सुश्री लितेश सिंह,सीएमओ श्रीमती संध्या वर्मा,सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जिला मीडिया प्रभारी बने ज्ञानेश तिवारी, कांग्रेसियो ने दी बधाई

गरियाबंद (समय दर्श न)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रशासनिक महामंत्री मलकीत सिंह गेंदु के अनुमोदन से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुखचंद बेसरा के सहमति से ज्ञानेश तिवारी को जिला कांग्रेस का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। ज्ञानेश तिवारी वर्षों से पत्रकारिता के साथ ही राजनीति से जुड़े होने के कारण समाज हित में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाते हुए आ रहे हैं।उनके मीडिया प्रभारी का दायित्व मिलने पर उन्हें वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल,सुखचंद बेसरा जिला अध्यक्ष,वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनोद तिवारी,जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम,छगन यादव राजेश साहू सनी मेमन आदित्यावर जुनैद खान नीरज ठाकुर रमेश शर्मा चिराग अली कमलेशयादव,रमेश राजा,योगेश बघेल,प्रेम सोनवानी,तपेश्वर ठाकुर,सेवन पुजारी, पुष्पा जगन्नाथ साहू,रामगुलाल साहू,आबिद ढेबर गुंजेश कपिल,चंद्रभूषण चौहान,चिराग अली,पवन सोनकर,हबीब मेमन,सतीश चौरे, दिलेश्वर देवांगन के साथ कई कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने बधाई दी है। ज्ञानेश तिवारी के मीडिया प्रभारी बनने से संगठन ने संतुलन और समन्वय का विशेष ध्यान रखा है।इसमें वरिष्ठ और अनुभवी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ ऊर्जावान युवाओं को भी संगठन में जिम्मेदारी दी गई है,ताकि अनुभव और उत्साह का बेहतर तालमेल स्थापित हो सके। यह नई टीम संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के साथ ही जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगी।नई कार्यसमिति के गठन से संगठन को मजबूती मिलने के साथ ही आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को गति मिलेगी।

महतारी वंदन योजना से बदली जिंदगी, उर्मिला यादव बनीं आत्मनिर्भर

महतारी वंदन योजना की राशि से शुरू किया आर्टिफिशियल गहनों का व्यवसाय

जांजगीर-चांपा, // समय दर्शन / कभी आर्थिक तंगी से जूझ रही गृहिणी श्रीमती उर्मिला यादव के जीवन में अब आत्मविश्वास और उम्मीद की नई किरण दिखाई दे रही है। चांपा नगर के वार्ड क्रमांक 02 की निवासी उर्मिला यादव के लिए महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का एक मजबूत सहारा साबित हुई है। श्रीमती उर्मिला यादव बताती हैं कि पहले उनके परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके पति श्री रामनारायण यादव की सीमित आय पर ही निर्भर थी। बढ़ते खर्चों के कारण घर चलाना अक्सर मुश्किल हो जाता था। ऐसे में जब उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1000 रुपये की सहायता राशि मिलने लगी, तो उनके मन में कुछ नया करने का विचार आया। उन्होंने इस राशि को खर्च करने के बजाय बचाने का निर्णय लिया। लगातार पाँच महीनों तक राशि बचाकर उन्होंने एक छोटा सा व्यवसाय शुरू करने की योजना बनाई। थोड़ी बचत होने के बाद उर्मिला यादव ने आर्टिफिशियल गहनों का छोटा व्यवसाय शुरू किया। आज वे पायल, बिछिया, मंगलसूत्र सहित विभिन्न प्रकार के गहने घर से बेचती हैं और आसपास लगने वाले साप्ताहिक हाट-बाजारों में भी जाकर अपने उत्पादों की बिक्री करती हैं। धीरे-धीरे उनका यह छोटा प्रयास आय का एक स्थायी स्रोत बन गया है। अब उन्हें हर महीने लगभग 2000 रुपये की अतिरिक्त आमदनी होने लगी है, जिससे परिवार की जरूरतें पूरी करने में काफी सहारा मिल रहा है। श्रीमती उर्मिला यादव कहती हैं कि महतारी वंदन योजना ने मेरे जीवन में नई रोशनी लाई है। इससे मुझे कुछ करने की प्रेरणा मिली और आज मैं अपने परिवार की जिम्मेदारियों में भी योगदान दे पा रही हूं।

कार्यालय नगर पालिक निगम भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// द्वितीय सार्वजनिक सूचना //

क्र./न.नि.भि./भ.अ./2026/1357/472 भिलाई , दिनांक 5/3/2026

कार्यालय नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग के पत्र क्रमांक 2038 दिनांक 01.05.1992 के माध्यम से ग्राम कोड़का, प.ह.न. 56, खसरा क्रमांक 290, 293(P), कुल रकबा 16.62 एकड़ पर भिलाई गृह निर्माण सहकारी समिति, मैत्री नगर, रिसाली द्वारा प्रस्तावित मैत्री विहार कॉलोनी हेतु आवासीय (भूखण्डीय) विकास अनुज्ञा स्वीकृत की गई थी. स्वीकृत विकास अनुज्ञा में दर्शित शर्ता तथा छत्तीसगढ़ नगरपालिका (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण, निबंधन एवं शर्त) नियम, 1998 के नियम 10 में दर्शित प्रावधान अनुसार निलाई गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा कमजोर आय वर्ग (EWS) हेतु कुल योजना भूमि का 15% रकबा 10079 वर्ग मीटर आरक्षित रखा जाना था, इसी प्रकार छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम 1984 के नियम 47 के प्रावधान अनुसार सामुदायिक खुला क्षेत्र फुल योजना क्षेत्र का 10% अर्थात 5670 वर्ग मीटर आरक्षित रखा जाना था, जिसे उनके द्वारा अप्राधिकृत रूप से भूखण्डों का उप-विभाजन कर विक्रय किया गया है।

इस प्रकार भिलाई गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956, छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम 1984 एवं छत्तीसगढ़ नगरपालिका (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण, निबंधन एवं शर्ते) नियम, 1998 सहपठित छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम तथा नगरपालिका (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण, निबंधन एवं शर्ते) नियम, 2013 के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है, जिस पर पूर्व में जारी नोटिस दिनांक 10.07.1990, 04.06.1991, 24.09.1991, 25.06.1992, 05.05.1993, 05.05. 1998, 19.05.1998, 19.07.1999, 11.08.1999 एवं 02.12.1999 का संदर्भ देते हुए इस कार्यालय द्वारा अंतिम सूचना क्रमांक सात/दो/भ.अ./2026/1867 भिलाई दिनांक 07.01.2026 के माध्यम से अंतिम नोटिस प्रेषित किया गया था, जिसका कोई जवाब आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुआ है। नियमों के निरंतर उल्लंघन से उपरोक्त कॉलोनी, अवैध कॉलोनी की श्रेणी में है।

छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 292-एफ(2) में प्रावधान किया गया है कि आयुक्त, अवैध कालोनी निर्माण की भूमि का प्रबंध अधिग्रहित करने के प्रयोजन के लिये स्थानीय समाचार पत्रों में 3 बार सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करेगा, उक्त क्रम में प्रथम सार्वजनिक सूचना क्रमांक 1127 दिनांक 20.01.2026 को प्रकाशन किया गया है। ऐसी सूचना के प्रकाशन के पश्चात् यदि किसी कॉलोनी निर्माण करने वाले या भू-खण्ड धारक से कोई आपत्ति प्राप्त होती है तो आयुक्त द्वारा उस पर विचार किया जायेगा और यदि कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो आयुक्त ऐसी भूमि का प्रबंध अधिग्रहित करेगा और उस क्षेत्र के लिये योजना बनायेगा तथा उसे ऐसी रीति तथा ऐसी शर्तों के अध्याधीन विकसित करेगा जैसे कि विहित किया जाये।

उपरोक्त तथ्यात्मक / वैधानिक स्थितियों पर समुचित विचारोपरांत नगरपालिक निगम भिलाई द्वारा भिलाई गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा ग्राम कोहका, प.ह.नं. 56, खसरा क्रमांक 290, 293 (P), कुल रकचा 16.62 एकड़ में विकसित मैत्री विहार कॉलोनी एवं उक्त भूमि का प्रबंध निगम द्वारा अधिग्रहित किये जाने का प्रस्ताव है। यदि उक्त कॉलोनी /भूमि का प्रबंध निगम द्वारा अधिग्रहित किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर इस कार्यालय में कक्ष क्रमांक 04 में स्वयं या प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

आयुक्त

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026

के अवसर पर

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान अंतर्गत

लखपति दीदी संवाद

07 मार्च 2026

दोपहर 2:00 बजे

सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, रायपुर (छ.ग.)

संघर्ष से सम्मान तक, आगे बढ़ती बिहान की दीदियां

08 लाख
महिलाएं बनीं **लखपति दीदी**

10 लाख
अतिरिक्त महिलाओं को **लखपति दीदी** बनाने का लक्ष्य

₹05 करोड़ का **बजट प्रावधान**
लखपति दीदियों के व्यवसायिक अनुभव के विस्तार हेतु **लखपति दीदी भ्रमण योजना** की शुरुआत

2.8 लाख स्व-सहायता समूह और **30.85 लाख परिवार** बिहान मिशन से जुड़े

महिलाओं को **प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता** से बनाया जा रहा आर्थिक रूप से **सशक्त**

महिला समूहों को उद्यम के लिए बेहतर जगह उपलब्ध कराने **368 महतारी सदनों** का हो रहा निर्माण

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in